दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

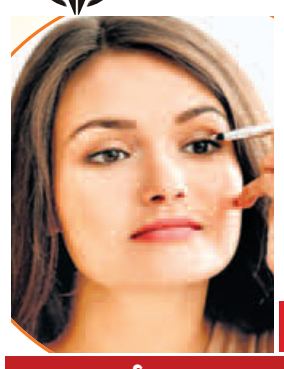

अमन लेखनी

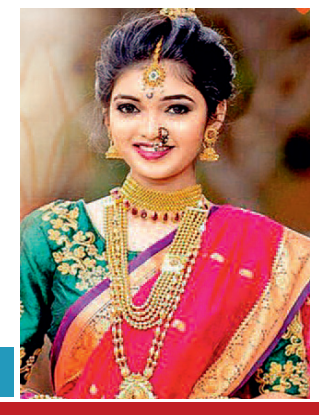

फेस्टिव सीजन में पाएं खिली-निखरी खूबसूरती.....

ट्रेडिशनल महाराष्ट्रियन लुक आप दिखेंगी डिफरेंट....

वर्ष : 09 | अंक : 285 | लखनऊ, 20 सितम्बर, बुधवार 2023 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

मौसम

अधिकतम तापमान 33.c

न्यूनतम तापमान 27.c

बाजार

सोना 5510/ g

चांदी 73.50/ g

सेंसेक्स 64,948.66

19,310.15

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज, बादल छाए रहने की आशंका

नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार सुबह न्यूनतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री कम है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग ने बताया कि दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 82 प्रतिशत रही। विभाग ने दिन में शहर के आसमान में मुख्यतः बादल छाए रहने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने का पूर्वानुमान जताया है। मौसम विभाग के मुताबिक, मंगलवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है।

मुंबई की सड़कों पर 13,700 से अधिक पुलिसकर्मी करेंगे गश्त, भारी वाहनों पर प्रतिबंध

मुंबई में गणेश उत्सव के दौरान सुरक्षा के लिए 13,750 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है, जो मंगलवार से शुरू हो रहा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिसकर्मियों में 11,726 कांस्टेबल, उप निरीक्षक से लेकर सहायक आयुक्त स्तर तक के 2,024 अधिकारी और 15 उपायुक्त शामिल हैं। अधिकारी ने कहा, पुलिस कानून-व्यवस्था की किसी भी समस्या से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है यातायात पुलिस द्वारा जारी अधिसूचना में मुंबई में वाहनों के सुचारू आवागमन के लिए कई उपाय किये गए हैं, जिनमें कुछ दिनों तक भारी वाहनों पर प्रतिबंध भी शामिल है।

मुंबई की सड़कों पर 13,700 से अधिक पुलिसकर्मी करेंगे गश्त

मुंबई में गणेश उत्सव के दौरान सुरक्षा के लिए 13,750 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है, जो मंगलवार से शुरू हो रहा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिसकर्मियों में 11,726 कांस्टेबल, उप निरीक्षक से लेकर सहायक आयुक्त स्तर तक के 2,024 अधिकारी और 15 उपायुक्त शामिल हैं।

नाए संसद में पीएम मोदी ने किया महिला आरक्षण का ऐलान

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का दिया नाम

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, भारतीय लोकतंत्र के लिए आज का दिन बेहद ही ऐतिहासिक है। आज पुराने संसद से नई संसद भवन में कार्यवाही को स्थानांतरित किया गया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए संसद में महिला आरक्षण को लेकर बड़ा ऐलान कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी के कार्यकाल में कई बार महिला आरक्षण बिल पेश किया गया। लेकिन उसे पास कराने के लिए आंकड़े नहीं जुटा पाए और यही कारण है कि वह सपना अधूरा रह गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि महिला को अधिकार देने का, उनकी शक्ति को आकार देने का काम करने के लिए भगवान ने मुझे चुना है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने महिला आरक्षण को नारी शक्ति वंदन अधिनियम का नाम दिया है। प्रधानमंत्री ने जब यह बातें कहीं तो संसद में तालिया के कर्कराहट साफ तौर पर सुनाई दे रही थी। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण की हमारी हर योजना ने महिला नेतृत्व करने की दिशा में बहुत सार्थक कदम उठाए हैं।

आपको बता दें कि संविधान संशोधन विधेयक में लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में एक तिहाई सीट महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रस्ताव है। सरकार का कहना है कि महिला आरक्षण विधेयक राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कानून निर्माण में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के इरादे से लाया गया है। इसमें कहा गया है कि महिला आरक्षण परिसीमन प्रक्रिया के बाद लागू होगा और 15 वर्षों तक जारी रहेगा। प्रत्येक परिसीमन प्रक्रिया के बाद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों की अदला बदली होगी। सरकार के मुताबिक भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य हासिल करने में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। महिलाएं अलग-अलग दृष्टिकोण लाती हैं और विधायी बहस तथा निर्णय लेने की गुणवत्ता को समृद्ध करती हैं। सरकार ने कहा कि महिलाएं पंचायतों, नगर निकायों में महत्वपूर्ण रूप से भाग लेती हैं; राज्य विधानसभाओं, संसद में उनका प्रतिनिधित्व अब भी सीमित है।

संसद के विशेष सत्र के पहले दिन की कार्यवाही के बाद सोमवार शाम को यहां केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई। महिला आरक्षण बिल पर पूर्व चुनाव आयुक्त ओपी रावत ने कहा कि आरक्षण एक संवैधानिक संशोधन है। इसे लोकसभा और राज्यसभा से पारित होना होगा। फिर इसे देश की आधे से ज्यादा विधानसभा से पारित होना होगा। इसके बाद राष्ट्रपति को इस पर हस्ताक्षर करना होगा। फिर यह एक अधिनियम बन जाएगा। जब तक यह एक अधिनियम नहीं बन जाता, तब तक चुनाव आयोग सभी राज्यों में वर्तमान कानूनों के तहत चुनाव कराने के लिए बाध्य है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अगर सारी योजना पहले ही बना ली गई हो और सभी दल एक निर्णय पर आ गए हों तो ऐसा हो सकता है। अगर राज्य विधानसभाएं इस विधेयक को पारित करने के लिए 2-3 दिनों का विशेष सत्र बुलाएं तो यह जल्दी हो सकता है। संभव है कि इसे दिसंबर तक लागू किया जा सके। चुनाव टालने का अधिकार किसी को नहीं है।

भारत की संसदीय यात्रा उत्कृष्ट उपलब्धियों, कठिन चुनौतियों से भरी रही है : प्रह्लाद जोशी

अमन लेखनी समाचार

नयी दिल्ली। लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य मंगलवार को भारत की संसद की समृद्ध विरासत का जश्न मनाने के वास्ते आयोजित एक समारोह के लिए पुराने संसद भवन के ऐतिहासिक केंद्रीय कक्ष में एकत्र हुए। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि यह समारोह सोमवार को पुराने भवन में दोनों सदनों की अंतिम बैठक की याद में भी आयोजित किया जा रहा है। नये भवन को अब भारत के संसद भवन के रूप में जाना जाएगा।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय कक्ष ब्रिटेन से भारत को सत्ता के हस्तांतरण का गवाह रहा है। जोशी ने यह भी कहा कि भारत की संसदीय यात्रा उत्कृष्ट उपलब्धियों, कठिन चुनौतियों और उल्लेखनीय मील के पत्थरों से भरी रही है। समारोह में उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ मंच पर बैठे थे। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी भी मंच के दोनों कोनों पर बैठे थे। जोशी और राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल भी मंच पर बैठे थे। इससे पहले, जब सांसद केंद्रीय कक्ष में इकट्ठा हुए तो प्रधानमंत्री मोदी हाथ जोड़कर सभी सदस्यों का अभिवादन करते नजर आए। यह समारोह भारत की संसद की समृद्ध विरासत का जश्न मनाने और 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के लिए आयोजित किया गया है।

छत्तीसगढ़ में सनातन संस्कृति के खिलाफ साजिश रची जा रही - असम मुख्यमंत्री

अमन लेखनी समाचार

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में सनातन संस्कृति के खिलाफ साजिश रची जा रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की परिवर्तन यात्रा के दौरान राज्य के भटगांव विधानसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा, छत्तीसगढ़ में सनातन संस्कृति के खिलाफ साजिश रची जा रही है। जब से भूपेश बघेल मुख्यमंत्री बने हैं, राज्य में रोहिंग्या की आमद एक बड़ा मुद्दा बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने (सत्ता में रहने के दौरान) बांग्लादेशियों को अवैध रूप से असम में प्रवेश करने की अनुमति दी। उन्होंने दावा किया, लाखों बांग्लादेशी असम में रह रहे हैं। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विपक्षी गुट देश में हिंदू विरोधी माहौल बनाने की साजिश रच रहा है। उन्होंने कहा, भूपेश बघेल कहते हैं कि वह गौमाता की पूजा करते हैं। हम चाहते हैं कि आप कहें कि आप हिंदू हैं और हिंदू के प्रति समर्पित हैं। बच्चों को पढ़ाई के लिए मदरसों में भेजने का विरोध करते हुए शर्मा ने कहा, उन्होंने असम में मदरसे बंद किए हैं... अब हमारी मुस्लिम बेटी हमारे स्कूलों में जाती है।

कुर्मी आंदोलन के कारण नौ ट्रेन रद्द, आठ के मार्ग में परिवर्तन

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, कुर्मी संगठनों के बुधवार से रेल पटरियों को अनिश्चितकाल के लिए अवरुद्ध करने के आह्वान के मद्देनजर दक्षिण-पूर्व रेलवे के रांची रेल मंडल में नौ एक्सप्रेस ट्रेन रद्द कर दी गईं और आठ अन्य का मार्ग बदल दिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। कई कुर्मी संगठनों ने समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने और कुरमाली को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर दबाव बनाने के लिए 20 सितंबर से झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के नौ रेलवे स्टेशन पर रेल पटरियों को अनिश्चितकाल के लिए अवरुद्ध करने का आह्वान किया है। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जो ट्रेन मंगलवार को अपने संबंधित स्टेशन से प्रस्थान करने वाली थीं और अगले दिन रांची रेल मंडल में प्रवेश करने वाली थीं, उन्हें एहतियातन या तो रद्द कर दिया गया है या फिर उनका मार्ग बदल दिया गया है। झारखंड के अग्रणी कुर्मी संगठन टोटेमिक कुर्मी विकास मोर्चा (टीकेवीएम) के अध्यक्ष शीतल ओहदार ने कहा कि पश्चिम बंगाल के आदिवासी कुर्मी समाज और ओडिशा की कुर्मी सेना सहित कई संगठन आंदोलन में शामिल होंगे। उन्होंने रांची में संवाददाताओं से कहा, 20 सितंबर से झारखंड में मुरी, गोमो, नीमडीह और घाघरा स्टेशन, पश्चिम बंगाल में खेमासुली व कुस्तौर स्टेशन तथा ओडिशा में हरिचंदपुर, जराइकेला एवं धनपुर स्टेशन पर रेल पटरियों को अनिश्चितकाल के लिए जाम किया जाएगा। ओहदार ने कहा, पारंपरिक पोशाक पहने कुर्मी समुदाय के हजारों लोग ढोल और अन्य वाद्ययंत्र बजाते हुए और छऊ, पाटा, नटुवा व झूमर नृत्य करते हुए आंदोलन में हिस्सा लेंगे। कुर्मी संगठनों ने अपनी मांग पर दबाव बनाने के लिए पिछले साल 20 सितंबर को पांच दिन के लिए रेल पटरियों को जाम किया था, जिससे रेल यातायात प्रभावित हुआ था। ओहदार ने समुदाय के सांसदों से संसद के मौजूदा सत्र के दौरान इस मांग को उठाने का आग्रह किया। आदिवासी कुर्मी समाज (एकेएस) के केंद्रीय प्रवक्ता हरमोहन महतो ने दावा किया कि ब्रिटिश शासन के दौरान 1913 में कुर्मियों को अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। उन्होंने कहा, जब केंद्र ने छह सितंबर 1950 को एसटी सूची अधिसूचित की, तो कुर्मियों को पश्चिम बंगाल, बिहार और ओडिशा में अन्य पिछड़ी जातियों (ओबीसी) की सूची में डाल दिया गया। महतो ने कहा, प्राचीन काल से कुर्मी अनुसूचित जनजाति के रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि तीनों राज्यों में उनकी आबादी दो करोड़ से अधिक होने का अनुमान है।

दिल्ली सरकार के सतर्कता अधिकारी विधानसभा ओबीसी समिति के समक्ष पेश होने को तैयार

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, विशेष सचिव (सतर्कता) वाईवीजे राजशेखर ने दिल्ली विधानसभा को पत्र लिखकर अपने खिलाफ दर्ज एक शिकायत के संबंध में बयान दर्ज कराने के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कल्याण समिति के समक्ष उपस्थित होने की इच्छा जताई है। समिति ने राजशेखर के खिलाफ एक निलंबित दानिक्स अधिकारी की शिकायत पर संज्ञान लिया था, जिसमें उन पर लोक सेवक बनने के लिए फर्जी जाति प्रमाण पत्र का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया था। विधानसभा सचिव को हाल में लिखे राजशेखर के पत्र में कहा गया है कि अधोहस्ताक्षरी समिति के समक्ष एक विस्तृत बयान देना चाहेंगे। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने अपनी सुविधा के अनुसार समिति की बैठक बुलाने और अपना जवाब तैयार करने के लिए एक सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि अधिकारी को पहले समिति द्वारा उसके समक्ष उपस्थित होने और अपना बयान दर्ज करने के लिए नोटिस दिया गया था, लेकिन उन्होंने यह कारण बताते हुए ऐसा नहीं किया कि सेवा मामला उनका अधिकार क्षेत्र नहीं है।

राजशेखर ने पहले भी समिति को जवाब दिया था, जिसमें उन्होंने इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट किया था। दिल्ली विधानसभा को दिये अपने पत्र में उन्होंने दावा किया है कि उनके खिलाफ शिकायत दानिक्स अधिकारी प्रेमनाथ की एक साजिश है। इस मामले पर प्रेमनाथ की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक मदन लाल की अध्यक्षता में ओबीसी कल्याण समिति की तीन सदस्यीय उप-समिति ने पिछले महीने राजशेखर के ओबीसी प्रमाण पत्र के बारे में जांच-पड़ताल करने के लिए आंध्र प्रदेश में उनके गृहनगर अंकापल्ली का दौरा किया था। हालांकि समिति बिना किसी सफलता के वापस लौट आई थी। राजशेखर दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय में विशेष सचिव के रूप में तैनात हैं। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय ने राजशेखर की सेवा पुस्तिका के पहले पन्ने के साथ-साथ उनके ओबीसी प्रमाण पत्र की एक प्रति विधानसभा सचिवालय को भेज दी है।

कनाडा सरकार को अपनी धरती पर सक्रिय सभी भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए: भाजपा

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कनाडा में एक खालिस्तानी आतंकवादी के मारे जाने के सिलसिले में भारत के खिलाफ प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों को मंगलवार को निराधार और विडंबनापूर्ण करार दिया और मांग की कि कनाडा सरकार अपनी धरती पर सक्रिय सभी भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करे। कनाडा द्वारा प्रतिबंधित खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के प्रमुख व भारत के सर्वाधिक वांछित आतंकवादियों में से एक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में ट्रूडो ने भारत के संभावित जुड़ाव का आरोप लगाया था जिसके बाद सोमवार को कनाडा ने एक वरिष्ठ भारतीय अधिकारी को निष्कासित कर दिया था। कनाडा के इस कदम के बाद ही सत्तारूढ़ पार्टी की यह प्रतिक्रिया सामने आई। पश्चिमी कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर 18 जून को दो अज्ञात बंदूकधारियों ने निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका और प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया और जवाबी कार्रवाई में कनाडा के एक वरिष्ठ राजनयिक को निष्कासित कर दिया।

विवाह आपसी विश्वास और सम्मान पर टिका होता है: दिल्ली उच्च न्यायालय

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, दिल्ली उच्च न्यायालय ने सुलह की संभावना के बिना 2011 से अलग रह रहे पति-पत्नी के तलाक को बरकरार रखते हुए कहा कि विवाह आपसी विश्वास, सम्मान और साथ पर टिका होता है तथा पत्नी के गलत आचरण से पति ने मानसिक पीड़ा का सामना किया। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत के नेतृत्व वाली पीठ ने इस साल की शुरूआत में पति की याचिका पर तलाक देने के कुटुंब अदालत के आदेश के खिलाफ पत्नी द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि दोनों पक्षों के लिए विवाह सहज नहीं था और अपीलकर्ता पत्नी के आचरण से पति को अत्यधिक मानसिक पीड़ा का सामना करना पड़ा, जिसकी वजह से वह तलाक देने को मजबूर हो गया।

पति ने आरोप लगाया कि पत्नी ने उसे और उसके परिवार को आपराधिक मामले में फंसाने का असफल प्रयास किया और हिंदू त्योहार करवा चौथ पर व्रत रखने से इनकार कर दिया क्योंकि वह उसे अपना पति नहीं मानती थी और किसी और से प्यार करती थी। पति ने यह दावा भी किया कि वह उसका या उसके परिवार के सदस्यों का सम्मान नहीं करती थी और उसने आत्महत्या करने की धमकी भी दी थी। पीठ ने 11 सितंबर को पारित एक आदेश में कहा, प्रतिवादी ने अपनी गवाही में कहा कि उसने यह कहते हुए करवा चौथ का व्रत रखने से भी इनकार कर दिया था कि वह आर को अपना पति मानती है, और उसके माता-पिता ने उसकी इच्छा के विरुद्ध प्रतिवादी के साथ उसकी शादी करने के लिए मजबूर किया था।

किसी भी रिश्ते को इस तरह से अलग करना और लगातार अस्वीकार करना या प्रतिवादी को पति के रूप में स्वीकार न करना बड़ी मानसिक पीड़ा का स्रोत है। अदालत ने कहा, विवाह आपसी विश्वास, सम्मान और साथ पर टिका होता है और अपीलकर्ता के कृत्य स्पष्ट रूप से स्थापित और साबित करते हैं कि ये तत्व मूल रूप से अपीलकर्ता के आचरण के कारण उनकी शादी से पूरी तरह से नदारद थे।

एमसीडी के अस्पतालों और औषधालयों का किया जाएगा कायाकल्प: महापौर

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, दिल्ली की महापौर शैली ओबेरॉय ने सोमवार को कहा कि दिल्ली नगर निगम (एससीडी) द्वारा संचालित अस्पतालों, औषधालयों और प्रसूति केंद्रों का कायाकल्प किया जाएगा। यहां सिविक सेंटर में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए ओबेरॉय ने कहा कि निगम चिकित्सा बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए, 117 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग करेगा जो उसे दिल्ली सरकार से मिले हैं। इस 117 करोड़ रुपये में 54 करोड़ रुपये पूंजीगत मद के हैं जबकि 63 करोड़ रुपये राजस्व मद के हैं। एक बयान में कहा गया है कि दिल्ली सरकार से मिली निधि से स्वास्थ्य ढांचे में सुधार का काम मार्च 2024 तक पूरा कर लिया जाएगा। ओबेरॉय ने प्रेस वार्ता में पूंजीगत मद के तहत प्राप्त धनराशि का उपयोग 491 परियोजनाओं में किया जाएगा। इसके तहत एमसीडी के तहत आने वाले सात बड़े अस्पतालों, एक मेडिकल कॉलेज और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में बुनियादी ढांचे में सुधार करना शामिल है। ओबेरॉय ने बताया कि मादीपुर क्षेत्र में एक नया प्रसूति केंद्र स्थापित किया जा रहा है, जिसे नवंबर 2023 तक शुरू करने की योजना है। महापौर ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) शासित एमसीडी में एक अच्छा स्वास्थ्य सेवा मॉडल स्थापित किया जाएगा, जैसा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार में हुआ है। किसी का नाम लिए बिना, उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों के दौरान निगम में सत्ता में रहे लोगों ने निगम द्वारा संचालित अस्पतालों में चिकित्सा बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए कुछ नहीं किया, क्योंकि जब वे सत्ता में थे तो उनके इरादे सही नहीं थे। उन्होंने कहा कि पूंजीगत मद के तहत मिले कोष का इस्तेमाल हिंदू राव अस्पताल और इससे संबद्ध मेडिकल कॉलेज, स्वामी दयानंद अस्पताल और राजन बाबू फेफड़े एवं क्षय रोग संस्थान समेत अन्य केंद्रों का कायाकल्प करने के लिए किया जाएगा।

केरल के मंत्री ने मंदिर के उद्घाटन के समय जातिगत भेदभाव का लगाया आरोप

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, अनुसूचित जाति समुदाय से संबंध रखने वाले राधाकृष्णन ने कहा कि मंदिर के दो पुजारियों ने उन्हें वह लौ सौंपने से इनकार कर दिया, जो वे उद्घाटन के अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर मुख्य दीप प्रज्जवलित करने के लिए लाए थे। मंत्री ने आरोप लगाया कि इसके बजाय उन्होंने खुद मुख्य दीप प्रज्जवलित किया और उसके बाद, उन्होंने लौ को जमीन पर रख दिया, यह सोचकर कि वह इसे उठा लेंगे और मुख्य दीप प्रज्जवलित कर देंगे। सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की केंद्रीय समिति के सदस्य राधाकृष्णन ने रविवार को यहां भारतीय वेलन सर्विस सोसाइटी (बीवीएस) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, मैं एक मंदिर में एक समारोह में भाग लेने गया था। उद्घाटन समारोह के अवसर पर, मुख्य पुजारी ने वहां एक दीप रखा। वह एक लौ लेकर आए और मुझे लगा कि वह इसे मुझे दीप जलाने के लिए देंगे, लेकिन उन्होंने इसे मुझे नहीं दिया। उन्होंने खुद दीप प्रज्जवलित किया। मैंने सोचा कि यह एक परंपरा का हिस्सा है और इससे छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए। मंत्री ने कहा, इसके बाद, उन्होंने लौ को सह-पुजारी को सौंप दिया और उन्होंने भी दीप प्रज्जवलित किया। मैंने सोचा कि उसके बाद यह (छोटा दीप) मुझे दिया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसके बजाय, उन्होंने लौ को जमीन पर रख दिया। उन्होंने यह सोचा था कि मैं इसे जमीन पर से उठा लूंगा और (मुख्य) दीप प्रज्जवलित कर दूंगा।

रुसेना में रिद्धि सिद्धि के साथ भव्य गणेश मूर्ति हुई स्थापित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। शहर से लेकर गावँ तक गणेश महोत्सव की शुरूआत हो गयी जिसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। शहर के विभिन्न स्थानों पर गणपति बप्पा की स्थापना की जाएगी।

इसी क्रम में गणेश चतुर्थी पर मलिहाबाद क्षेत्र के रूसेना गावँ में गणेश जी की मूर्ति स्थापित हुई। जहां गणपति बप्पा मोरिया के जय घोष से गावँ भक्ति में मय हुआ। दस से 12 दिन चलने वाले इस उत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर ग्राम रूसेना निवासी छोटे लाल गौतम व उनकी धर्मपत्नी देशपति द्वारा क्षेत्र की सबसे बड़ी भव्य भगवान गणेश जी की मूर्ति स्थापित कर पूजा अर्चना की और यंहा नौ दिन तक लगातार सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहेंगे ! गणपति बप्पा की स्थापना शुभ अवसर पर हिंदू जागरण मंच के सह संयोजक संतोष सिंह तिलन ने कहा कि गणपति का चालीसा पाठ करने से पूरी होती है, मनोकामना गणेश उत्सव के 10 दिन गणपति बप्पा के भक्तों के लिए बेहद खास होते हैं। इस दौरान लोग गणपति बप्पा को प्रसन्न करने के लिए पूजा और आरती करते हैं। इसके अलावा श्री गणेश चालीसा का पाठ भी करते हैं। मान्यता है कि गणेश चालीसा के पाठ से व्यक्ति के कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर हो जाती हैं। साथ ही विघ्नहर्ता गणेश भक्तों की मनोकामनाओं को पूरा करते हैं। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद ग्रामीण जिला कार्यध्यक्ष भूपेंद्र, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष विहिप दिनेश दीक्षित, उन्नाव जिला सह मंत्री श्रवण कुमार, कैथुलिया गावँ के जितेंद्र सिंह, जिला समरसता प्रमुख आचार्य राम पांडेय, प्रखंड के सहमंत्री अर्पित सोनी सहित दर्जनों लोग मौजूद रहकर क्षेत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम धर्म के प्रति सभी लोगो का उत्साहवर्धन किया व 28 सितंबर को गणेश विसर्जन के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।

थाने पर पीस कमेटी की बैठक आयोजित

अमन लेखनी समाचार

निगोहाॅ। गणेश चतुर्थी व बाराफवात के मद्देनजर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए मंगलवार को निगोहां थाना परिसर में प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार यादव ने ग्राम प्रधानों ,मस्जिदों के धर्मगुरु, मौलाना,पुजारी एवं सभ्रांत व्यक्तियों के साथ बैठक की।बैठक में बारावफात और गणेश चतुर्थी

शांति व्यवस्था बनाये रखने की अपील कर क्षेत्र में सभी जनप्रतिनिधियों से सहयोग मांगा व उनसे राय मशविरा भी लिया। इसके साथ लोगों की समस्याओं को भी सुना।बैठक में निरीक्षक ने आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि जुलूस के दौरान नवयुवको द्वारा बाईक राइडिंग न कि जाए और शांति पूर्ण जुलूस निकाला जाए। गणेश चतुर्थी में अपील करते हुए कहा कि जहां पर मूर्ति स्थापना की जाय वहाँ जिम्मेदार लोग रात्रि में मौजूद रहे।

मेरी प्यारी गौरैया भारत की संस्कृति को जीवित रखने वाला प्रयासः अनुप गुप्ता

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मेरी प्यारी गौरैया मुहिम द्वारा राजधानी के मोहान रोड स्थित ड्रीम चिल्ड्रेन एकेडमी में नन्ही गौरैया व पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां नन्ही गौरैया के कृत्रिम घोंसले, दाना काकून, मिट्टी के पात्र व तुलसी , मीठी नीम के पौधो का वितरण करने के साथ गौरैया व पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। वही छात्र छात्राओं ने नन्ही गौरैया पर कविता व गीतो को प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। मेरी प्यारी गौरैया₹ मुहिम संचालक पंक्षी प्रेमी महेश साहू द्वारा मुख्य अतिथि अनुप गुप्ता सदस्य विधान परिषद व प्रदेश महामंत्री भाजपा व विधालय के संस्थापक शिशिर श्रीवास्तव, प्रबंधक ज्योति श्रीवास्तव, प्रिंसिपल प्रिया श्रीवास्तव पुष्पगुच्छ, नन्ही गौरैया का कृत्रिम घोंसला, अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत व सम्मान किया गया। वहीं विधालय प्रबंधन द्वारा मुहिम संचालक महेश साहू व मुख्य अतिथि का स्वागत सम्मान किया गया। मेरी प्यारी गौरैया₹ मुहिम संचालक पंक्षी प्रेमी महेश साहू द्वारा बताया कि नन्ही गौरैया व पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता कार्यक्रम 12-20 सितम्बर तक आयोजित होगा। इस मौके पर मनीष गुप्ता, जय गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, पिन्टू गुप्ता, प्रदीप कुमार, रमेश कनौजिया, सुरेन्द्र सिंह, बब्लू गुप्ता, शैलेन्द्र कुमार, रशमी श्रीवास्तव , प्रगति श्रीवास्तव, आरती पाल , सोनी यादव , मोनिका पाल, अनु चौरसिया, वैशाली यादव, कीर्ति सिंह, वन्दना श्रीवास्तव, स्वेता, प्रिंयका, शीतल सहित सैकड़ों छात्र छात्राएं व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

तेज बुखार से पीड़ित सात मरीजो की बिगड़ी तबीयत,सीएचसी में हुये भर्ती

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। सिसेण्डी गांव में रहस्यमयी तेज बुखार का कहर थमने का नाम नही ले रहे, सात बुखार पीड़ित मरीजो की तबीयत बिगड़ने पर सोमवार की देर रात्रि एम्बुलेंस से सीएचसी लाकर वार्डो में भर्ती कर इलाज शुरू किया गया ।सीएमओ डा०मनोज अग्रवाल के निर्देश पर मगंलवार को एसीएमओ डा०एपी मिश्रा ने सिसेण्डी गांव पहुंचकर बुखार पीड़ित मरीजो का हाल जानने के साथ अधीक्षक डा० अशोक कुमार व स्वास्थकर्मियों के साथ पीएचसी में मौजूद रहकर मरीजो पर नजर बनाये रखी ।इस दौरान पीएचसी में 35मरीज देखे गये, 10मरीजो में बुखार की पुष्टि के बाद डेंगू व मलेरिया का रैपिड टेस्ट किया गया लेकिन रिपोट निगेटिव आयी,जिसके बाद मरीजो को परामर्श के साथ दवाये देकर घर भेज दिया गया ।सीएमओ ने रात्रि में बुखार पीड़ित मरीजो पर नजर बनाये रखने के लिये डिप्टी सीएमओ डा०निशान्त निर्वान को कैम्प करने के निर्देश दिये,जिसके बाद डिप्टी सीएमओ डा० निशान्त निर्वान ने गांव पहुंचकर रात्रि में कैम्प कर बुखार पीड़ित मरीजो के घर पहुंचकर उनका हाल जानकर परामर्श देने के साथ दवाये वितरित की ।डिप्टी सीएमओ पूरी रात्रि पीएचसी में स्वास्थकर्मियो की टीम व एक एम्बुलेंस के साथ मौजूद रहकर मरीजो पर नजर बनाये रखी ।सीएचसी अधीक्षक डा०अशोक ने बताया बुखार पीड़ित राम प्रजापति, आशी दीक्षित, शिवम दीक्षित, अनीत दीक्षित, कपूर दीक्षित, प्राची दीक्षित, श्याम प्रकाश दीक्षित की तबीयत बिगड़ने पर सीएचसी में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है सभी के स्वास्थ में सुधार हो रहा है।

योगी सरकार मे दबंग भू-माफिया ने नदी की कई बीघा जमीन पर किया कब्जा, प्रशासन ने टेके घुटने

सहयोगियों के साथ मिलकर कई किलोमीटर नदी के किनारे पर किया कब्जा

अमन लेखनी समाचार

बन्थरा। सरोजनीनगर तहसील क्षेत्र में भूमाफियाओं का कहर बढ़ता जा रहा है। यहां पर बेखौफ भूमाफिया अवैध तरीके से नदी पर पुल का निर्माण करके प्लाटिंग कर रहा है। भूमाफिया के इस कदम से आसपास के किसानों की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। इस मामले को लेकर पीड़ित किसानों ने मुख्यमंत्री से लेकर डिप्टी सीएम तक इसकी शिकायत की है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने मामले का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी लखनऊ को जांच के आदेश दिए हैं. बावजूद इसके दबंग भूमाफिया बेखौफ होकर अवैध तरीके से सरकारी जमीनों पर कब्जा करने में जुटा हुआ है। वहीं, पुलिस-प्रशासन ने भूमाफिया के सामने घुटने टेक दिए हैं।

मामला सरोजनीनगर तहसील क्षेत्र का है. यहां के दादूपुर गांव का के पीड़ित किसान बलराम सिंह चौहान का कहना है कि, उसकी पैतृक कृषि योग्य जमीनें राजस्व ग्राम खाण्डेदेव व दादूपुर में स्थित हैं। राजस्व ग्राम खाण्डेदेव में उनके खेत से कुछ दूरी पर ही स्थानीय नदी नगवा बहती है, जो कि आसपास के दर्जनों गांवों में सिंचाई का प्रमुख साधन है। पीड़ित का कहना है कि, दबंग भूमाफिया मोहम्मद आसिफ पुत्र मोहम्मद आसिफ कुरैशी निवासी 1 सी लॉ प्लास , शाहनजफ रोड हजरतगंज ने राजस्व ग्राम खाण्डेदेव व दादूपुर में कुछ जमीनें खरीद रखी हैं। प्लाटिंग की आड़ में बिल्डर मोहम्मद आसिफ और उसके गुर्गे तहसील प्रशासन के वरदहस्त के चलते खाण्डेदेव व दादूपुर में ग्राम में स्थित नगवा नदी के किनारे की उपजाऊ जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। यही नहीं भूमाफिया और उसके गुर्गों ने राजस्व ग्राम खाण्डेदेव के मजरा पुराहीखेड़ा में नगवा नदी पर जबरन एक पुल का निर्माण कर लिया है। इस पुल का निर्माण करने के बाद दबंग भूमाफिया ने गेट लगाकर ताला डाल दिया है। इस अवैध पुल के निर्माण से नगवा नदी के आस पास की सैकड़ो बीघे फसल के जलमग्न होने का खतरा मंडराया करता है। इसके साथ ही भूमाफिया ने पुल बनाकर खाण्डेदेव व दादूपुर ग्राम में आने वाली नगवा नदी के दोनों किनारों की कई बीघे जमीन पर कब्जा कर लिया है। किसान का कहना है कि, भूमाफिया मोहम्मद आसिफ और उसके स्वामित्व वाली मुंतहा कंस्ट्रक्सन कम्पनी ने राजस्व ग्राम खाण्डेदेव व दादूपुर में नगवा नदी के एक किलोमीटर के दायरे में कई बीघे जमीन पर कब्जा कर लिया है। इसके साथ इस दबंग भूमाफिया ने दादूपुर और खाण्डेदेव में स्थित ग्राम समाज, बंजर और चरागाह की जमीन पर भी कब्जा कर रखा है।

प्रशासन ने कौड़ियों के भाव विनिमय कर दी करोड़ों की जमीनें

किसानों का आरोप है कि भूमाफिया मोहम्मद आसिफ पर तहसील प्रशासन इस कदर मेहरबान है कि उसे लाभ पहुंचाने के लिए करोड़ों रुपये मूल्य की जमीनें कौड़ियों के भाव वाली जमीनों से विनिमय करके दे दी गईं हैं. मोहम्मद आसिफ को लाभ पहुंचाने के लिए सरोजनीनगर तहसील के गांव पिपरसण्ड, बंथरा, दादूपुर और खाण्डेदेव की बेशक ीमती सरकारी जमीनें मुफ्त की जमीनों के बदले दे दीं।

बेखौफ चोरों ने मोबाइल की दुकान को बनाया अपना निशाना मोबाइल और नगदी की पार

अमन लेखनी समाचार/रेहान खान

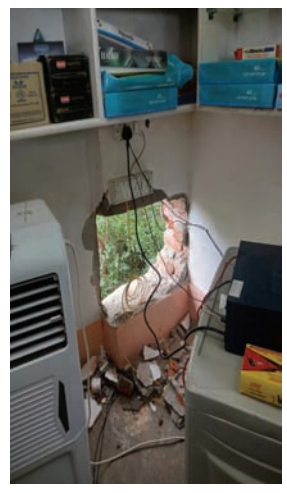

लखनऊ। सरोजनीनगर में सोमवार रात बेखौफ चोरों ने एक मोबाइल दुकान की दीवार काटकर हजारों रुपए कीमत के मोबाइल और नगदी पार कर दी। मंगलवार सुबह जानकारी होने पर दुकानदार ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस तहरीर लेकर आसपास सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों का सुराग लग रही है। सरोजनीनगर के बेहटवा निवासी दिलीप कुमार की इलाके के ही शांति नगर में मोबाइल की दुकान है। दिलीप के मुताबिक रोज की तरह सोमवार शाम भी वह अपनी दुकान बंद कर घर चला गया। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे जब वह दुकान पर पहुंचा तो दुकान के अंदर का नजारा देखकर उसके होश उड़ गए। दुकान की पिछली दीवार कटी होने के साथ ही अंदर रखे करीब 15 हजार रुपये कीमत के मोबाइल फोन और 20 हजार रुपये की नगदी गायब मिली। आनन- फानन उसने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिए चोरों का सुराग लग रही है। वहीं दिलीप का कहना है कि दुकान के पास ही देसी शराब की दुकान है, जो सुबह 6 बजे से देर रात तक खुली रहती है। इसकी वजह से वहां अराजक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में बेहतर कार्य के लिए हुए सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मंगलवार को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत क्षय रोगियों को गोद लेकर उन्हें पोषणात्मक एवं भावनात्मक सहयोग दिलाने में प्रदेश के सर्वोच्च 10 जिलों में लखनऊ ने अपना नाम दर्ज किया है इसी क्रम में रविवार को राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल द्वारा जिला क्षय रोग अधिकारी डा. ए.के.सिंघल सहित 10 जनपदों के जिला क्षय रोग अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया

इस उपलब्धि पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. मनोज अग्रवाल ने जिला क्षय रोग अधिकारी सहित जनपद की पूरी टीम को बधाई दी और कहा कि इसे प्राप्त करना गर्व की बात है जिला क्षय रोग अधिकारी के नेतृत्व में मुख्यालय की पूरी टीम के कर्मचारियों के संयुक्त प्रयासों का ही परिणाम है टीम ने बहुत मेहनत की है पूरी टीम बधाई की पात्र है और अब टीम को इससे बेहतर करने का प्रयास करना है जिला क्षय रोग अधिकारी बताते हैं कि इसके साथ ही जनपद में 11770 टीबी रोगियों का इलाज चल रहा है, जिसमें 10,627 टीबी रोगियों को 393 निक्षय मित्रों के द्वारा गोद लिया जा चुका है गोद लेने वाली संस्थाओं में शहर के उच्च शिक्षण संस्थानों जैसे लखनऊ विश्वविद्यालय, शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, अटल बिहारी वाजपेई चिकित्सा विश्वविद्यालय, भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय, केजीएमयू, एसजीपीजीआई हैं इसके साथ ही सिल्वर जुबली सीएचसी, हरभज राम ट्रस्ट, ताज होटल, स्वयं सेवी संस्था प्लान इंडिया और पावर विंग्स फाउंडेशन सहित जनपद के कई गणमान्य व्यक्तियों ने भी क्षय रोगियों को गोद लिया है गोद लेने में वह न केवल इलाज के दौरान क्षय रोगियों को पोषण सामग्री देते हैं इससे न केवल रोगियों को पौष्टिक खाद्य सामग्री मिलती है बल्कि उन्हें भावनात्मक रूप से यह भी एहसास होता है कि वह अकेले नहीं हैं समाज के लोग भी उन्हें सहयोग कर रहे हैं पोषण सामग्री में दाल, चना, गुड़, दलिया, मूंगफली, तिल गुड़ आदि दिया जाता है इसके अलावा बच्चों को हॉर्लिक्स या बोर्नविटा भी दिया जाता है

जिला क्षय रोग अधिकारी बताते हैं कि यह योजना टीबी रोगियों को गोद लेने की योजना है इस योजना से जुड़ने के लिए www.nikshay.in पोर्टल पर लॉग इन्कर पंजीकृत हुआ जा सकता है इस योजना के तहत कोई भी व्यक्ति, औद्योगिक संगठन, स्वयंसेवी संगठन, राजनैतिक दल व शिक्षा संस्थान टीबी रोगियों को गोद ले सकते हैं इस योजना के तहत इलाज के दौरान कम से कम छह माह या अधिकतम तीन साल तक टीबी रोगी को गोद लेकर उन्हें भोजन, पोषण या आजीविका के स्तर पर मदद कर सकते हैं

महिला आरक्षण संबंधी विधेयक में पिछड़े वर्ग की महिलाओं को आरक्षण ना देना भाजपा की पिछड़ा वर्ग विरोधी सोची समझी रणनीति और साजिश का हिस्सा है

महिला आरक्षण में पिछड़े वर्ग को क्षैतिज आरक्षण न देकर भाजपा पिछड़े वर्गों की राजनीति को नेस्तानबूत करना चाहती है

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। पिछड़ा वर्ग विभाग उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सामाजिक न्याय की धुर विरोधी है और आरएसएस घोर मर्दवादी संस्था है जो अपने गठन के सौ सालो मे भी एक महिला को संघ प्रमुख नही बना सका। ,महिला सशक्तिकरण के नाम पर भाजपा सरकार पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक तबके की महिलाओं को आरक्षण न देकर गरीब वर्ग की महिलाओं को संसद से दूर रखने का प्रयास किया है। जिसे हम पिछड़े वर्ग के लोग बदर्शात नहीं करेंगे। ,यह उसी प्रकार की साजिश है जिस प्रकार से आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के नाम पर सिर्फ कुछ उच्च जातियों को आरक्षण देकर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक तबके के साथ धोखा किया गया और सामाजिक न्याय का भाजपा ने गला घोटा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा और केंद्र सरकार की पिछड़ा, दलित आदिवासी के अधिकारों के प्रति नीयत ठीक नहीं है। यह इन शोषित वँचित जातियों के अवसर और समता के अधिकार आरक्षण की कट्टर विरोधी रही है इन शोषित वँचित तबके की महिलाओं को महिला आरक्षण के अंदर आरक्षण की अनदेखी करने पर कांग्रेस पार्टी इसके लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी।

मनोज यादव ने कहा कि सर्वप्रथम दलित पिछड़े आदिवासी और अल्पसंख्यक तबके की जाति जनगणना करके उसके अनुपात में पिछड़े दलित आदिवासियों और अल्पसंख्यक तबके की महिलाओं को भी सदन में आरक्षण दे। मनोज यादव ने कहा कि भाजपा महिला सशक्तीकरण के नाम पर कुछ अमीर और संसाधन सम्पन्न वर्ग की महिलाओं को ही सदन में भेजकर इस देश की बहुसंख्यक आबादी को उनके हक और सम्मान से वंचित करने की जो साजिश रच रही है उसको इस देश का बहुसंख्यक तबका बाखूबी समझ रहा है। जिसका मुकमल जवाब समय आने पर इस देश की जनता विशेषकर महिलाएं देने का कार्य करेंगी।

लोकसभा में पारित बिल, महिला सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री का ऐतिहासिक कदम - राजन मिश्र

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की सनातन संस्कृति के अनुरूप ह्लयत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताःह्व को देश के लोकतंत्र में चरितार्थ करके दिखाया है। अटल सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राजन मिश्र ने लोकसभा में पारित बिल पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक दिन है, लोकसभा में पेश हुआ 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिला सशक्तिकरण की दिशा में केंद्र सरकार का ऐतिहासिक कदम है। जिसके अंतर्गत लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% सीटें आरक्षित करने का प्रस्ताव किया गया है। श्री मिश्र ने कहा कि इस ऐतिहासिक कदम के लिए करोड़ों देशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं तथा देशवासियों को हार्दिक बधाई देता हूँ।

गोली मारकर प्रॉपर्टी डीलर के ऊपर जानलेवा हमला करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बिजनौर इलाके में बीते दिनों गोली मारकर प्रॉपर्टी डीलर कुंदन सिंह और मनोज कुमार यादव के ऊपर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने तीन अन्य आरोपियों को भी मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस इससे पहले एक नामजद आरोपी विशम्भर को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं मंगलवार को गिरफ्तार हुए तीनों हमलावरों के पास से पुलिस को दो देशी तमंचे और एक अवैध देशी पिस्टल के अलावा 6 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। बताते चलें कि बीती 8 सितंबर की शाम बिजनौर के अनूप खेड़ा निवासी प्रॉपर्टी डीलर कुंदन सिंह, यहीं के अपने साथी व न्यू नटकुर में रहने वाले मनोज कुमार यादव के साथ मुल्लाही खेड़ा स्थित उसके ऑफिस में मौजूद थे। तभी तीन अज्ञात हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर दोनों को घायल कर दिया और सफेद कार से भाग निकले। इस मामले में कुंदन ने यहीं के बलवंत खेड़ा निवासी विशंभर यादव, सरवन नगर के विनोद यादव और ठाकुरगंज के रमना निवासी सुमित यादव सहित एक अन्य के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले में पुलिस ने विशंभर को उसी दिन उसके घर से हिरासत में ले लिया था। कई दिन थाने में रखकर पूछताछ करने के बाद पुलिस ने 12 सितम्बर को विशम्भर को जेल भेज दिया। जबकि पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही थी। तभी मंगलवार को उसे मुखबिर से सूचना मिली कि मोहान रोड स्थित आगरा एक्सप्रेसवे अंडरपास के नीचे सुमित यादव अपने दो अन्य साथियों के साथ खड़ा है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने सुमित यादव और उसके दोनों साथियों को वहीं से पकड़ लिया। पुलिस पूछताछ में सुमित यादव के अलावा उनके दो अन्य साथियों ने अपना नाम काकोरी के लाल नगर हरदोइया निवासी कपिल यादव और सरोजनीनगर के आजाद नगर - चिल्लावां निवासी रमेश कश्यप बताया। बिजनौर इंस्पेक्टर अरविंद कुमार राणा के मुताबिक तीनों से हुई पूछताछ में सुमित ने बताया कि वर्ष 2015 के अगस्त माह में सरवन नगर निवासी उसके ससुर किशनचंद यादव और साले बबलू की हुई हत्या का बदला लेने के लिए यह घटना अंजाम दी गयी थी। पुलिस ने पकड़े गए तीनों आरोपियों के पास से 315 बोर के दो अवैध देसी तमंचे और चार जिंदा कारतूस के अलावा 32 बोर का एक अवैध देसी पिस्टल व उसके दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इंस्पेक्टर का कहना है कि इसमें से सुमित शातिर अपराधी है। उसके खिलाफ बिजनौर के अलावा सुशांत गोल्फ सिटी थाना में भी मुकदमा दर्ज है। फिलहाल पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है।

पारंपरिक पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण को बदलकर महिलाओं को आरक्षण देना वास्तव में बड़ा बदलाव होगा : गीता शाक्य

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। आज प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा व सांसद राज्यसभा गीता शाक्य जी ने वर्चुअल माध्यम से महिला मोर्चा की टीम को संबोधित करते हुए कहा कि 19 सितंबर 2023 का दिन भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा जब आधी आबादी को 33% आरक्षण के साथ सांसद और विधानसभा में महिलाओं की आवाज बनकर जाने का अवसर मिलेगा।

सरकार के विधाई एवं कार्यकारी अंगों में महिलाओं की भागीदारी न के बराबर है वे स्त्री के अधिकारों के संबंध में आवाज नहीं उठा पाती थी इसलिए आवश्यक है की विधाई संस्थानों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व हेतु प्रधानमंत्री जी का महिलाओं को दिया गया यह उपहार अविस्मरणीय रहेगा। महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागृत करने व उनके नेतृत्व करने के लिए अब सदन में बड़ी संख्या में महिला सांसद व विधायक होगी, जिससे महिलाओं का सर्वांगीण विकास किस प्रकार हो पर सरकार का ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा। महिलाओं ने समय-समय पर अपनी योग्यता और क्षमता के दम पर अनेक कीर्तिमान रचे हैं आज सरकार द्वारा महिलाओं की क्षमताओं का प्रतिफल स्वरूप यह बिल पास करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने सिर्फ विश्व पटल पर ही नहीं, अपितु परिवार के रूप में देश की महिलाओं के विषय को गंभीरता से लेते हुए महिलाओं को कृतकृथार्थ किया है।

संक्षेप

निजी अस्पताल में प्रसव के दौरान जच्चा बच्चा की मौत, पति ने दी तहरीर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। हसनगंज के एक नर्सिंगहोम में प्रसव के लिए भर्ती कराई गई प्रसूता और उसके बच्चे की मौत हो गई।प्रसूता के पति ने अप्रशिक्षत स्टाफ द्वारा प्रसव कराने में बरती गई लापरवाही से मौत होने का आरोप लगाया है।उसने नर्सिंगहोम संचालक और स्टाफ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है।हसनगंज क्षेत्र के रानी खेड़ा निवासी नंद किशोर ने बताया कि शुक्रवार रात 25 वर्षीय पत्नी ज्योति को प्रसव पीड़ा होने पर एक नर्सिंगहोम में भर्ती कराया गया। अस्पताल में मौजूद स्टाफ व नर्स ने प्रसव कराया। नंदकिशोर का आरोप है कि प्रसव के बाद पत्नी ने बताया था कि नर्सों ने बच्चे को खींच कर निकाला है। जन्म के कुछ देर बाद ही बेटी की मौत हो गई और पत्नी की हालत बिगड़ गई।नवजात की मौत और प्रसूता की हालत गंभीर देख नर्सिंगहोम कर्मियों के हाथ पांव फूल गए। क्लीनिक संचालक बिना बताए प्रसूता को लेकर अजगैन की दूसरी क्लीनिक लेकर चला गया। जहां मंगलवार को महिला की भी मौत हो गई। पति ने नर्सिंगहोम संचालक व स्टाफ की लापरवाही से जच्चा-बच्चा की मौत होने का आरोप लगा रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है।प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जायेगी। सीएचसी प्रभारी प्रमोद कुमार ने बताया कि मामले कि जानकारी नही है। शिकायत मिलने पर जांच की जाएगी। सीएमओ डा. सत्यप्रकाश ने कहा कि पीड़ित ने शिकायती पत्र दिया तो एसीएमओ से जांच करा कार्रवाई की जाएगी।

खेत पर गए वृद्ध किसान को सांप ने काटा, हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के कोलिया मोहद्दीनपुर गांव के रहने वाले वृद्ध को सोमवार शाम सांप के डसने से मौत हो गई। जानकारी मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आसीवन थाना क्षेत्र के कोलिया मोहद्दीनपुर गांव के रहने वाले वृद्ध देव शंकर सिंह सोमवार शाम खेत पर गए थे। ट्यूबवेल के पास सांप ने डस लिया। हालत बिगड़ने पर सीएचसी ले गए। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक इलाज के बाद हालत नाजुक देख उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां इलाज दौरान डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी पर पुलिस ने जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की गई। मौत को लेकर पत्नी अन्नसूइया देवी और तीन बेटों में शिव प्रताप, शिव किशोर व राम प्रताप रो-रोकर आहत हैं। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे नाती विशाल ने बताया कि पानी पीने के लिए ट्यूबवेल पर गए थे। तभी सांप के डसने से मौत हो गई।

राज्य बाल अधिकार संरक्षण सदस्य ने किया विद्यालय का निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। श्याम त्रिपाठी, सदस्य, उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, उत्तर प्रदेश शासन, ने उच्च प्राथमिक विद्यालय मलयपुर कम्पोजिट, सुमेरपुर का अपने दल के साथ निरीक्षण /भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय के शिक्षक आशीष कुमार दीक्षित ने उन्हें विद्यालय के विभिन्न नवाचारों एवं क्रियाकलापों की जानकारी दी। सदस्य ने कक्षाओं में जाकर बच्चों से संवाद स्थापित किया। निरीक्षण के उपरांत उन्होंने मलयपुर विद्यालय के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस दौरान खण्ड शिक्षा अधिकारी- सुमेरपुर अखिलेश कुमार वर्मा भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण/भ्रमण के उपरांत उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के माननीय सदस्य श्याम त्रिपाठी, छात्र/छात्राओं एवं शिक्षकों ने पर्यावरण जन-जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्रों एवं अभिभावकों मे वृक्षों के संरक्षण के प्रति जागरूकता लाने हेतु विद्यालय प्रांगण में लगे जामुन के वृक्ष में भगवान गणेश की स्थापना कर पूजन किया?। सदस्य ने इस पर्यावरणीय जन जागरण के कार्यक्रम को अद्भुत बताया? साथ ही पर्यावरण संरक्षण की अपील भी की। गणेश पूजन कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं के हाथों में वृक्षों के संरक्षण से सम्बंधित स्लोगन संदेश देने का कार्य करते रहे। 'हमारे वृक्ष - हमारे पालनहार' जन जागरण कार्यक्रम के संयोजक विद्यालय के सहायक शिक्षक आशीष कुमार दीक्षित ने जानकारी दी कि मलयपुर विद्यालय काफी लम्बे समय से विभिन्न त्योहारों को पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता जागरूकता की मुहिम से जोड़ता आया है। उसी क्रम में हमारे वृक्ष - हमारे पालनहार₹ मुहिम के अन्तर्गत पिछले कुछ वर्षों से निरंतर गणेश चतुर्थी को वृक्ष में गणेश जी की स्थापना कर पूजन अर्चन किये जाने की परम्परा है। विद्यालय के छात्र नागेन्द्र, दीपक,अनुराग, धीरेन्द्र, प्रांशू, अशोक,दीपक,एवं अन्य ने अपनी कला,रचनात्मकता एवं वृक्षों से लगाव का प्रदर्शन विद्यालय प्रांगण में लगे जामुन के पेड़ में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर किया।कार्यक्रम में सदस्य श्याम त्रिपाठी, वेद प्रकाश मिश्रा, सहायक माननीय, देवस्वरूप त्रिवेदी, प्रवक्ता, प्रधान शिक्षक अजीत सिंह, सहायक शिक्षक आशीष कुमार दीक्षित, मुकेश सचान,गोपाल यादव,आरती यादव,विनयशंकर, उषा देवी सहित ग्राम मलयपुर के मोहित सिंह,शैलेष, अनुज,नितिन,राजू सिंह,सरोज देवी,रामेश्वरी देवी,प्रकाशा देवी,सरिता देवी, अन्य अभिभावक व ग्रामीण उपस्थित रहे।

रेलवे लाइन के किनारे पेड़ की डाल टूट कर ओएचआई लाइन पर गिरी, रूट हुआ बाधित

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उन्नाव रायबरेली रेल रूट के रावतपुर टिकौली रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार सुबह रेलवे लाइन के किनारे खड़े एक वृक्ष की डाल टूटकर ओएचई लाइन पर गिर गई। लाइन टूटने से रेलवे ट्रैक बाधित हो गया। सूचना पर पहुंचे रेलवे कर्मियों ने करीब चार घंटे कड़ी मशक्कत के बाद लाइन को दुरुस्त किया जा सका है। इस दौरान कई ट्रेनों के संचालन पर प्रभावित रहा। ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों को मुसीबत का सामना करना पड़ा है।

बीघापुर रेलवे स्टेशन के समीप स्थित रावतपुर टिकौली रेलवे स्टेशन के पास सुबह लाइन के किनारे खड़े पुराने वृक्ष की डाल टूट कर ओएचई लाइन पर गिर गई। डाल गिरने से ओएचई लाइन के तार टूटने के साथ रेलवे ट्रैक पूरी तरह बंद हो गया। जानकारी रेल पथ निरीक्षक को हुई तो उसने स्टेशन मास्टर को अवगत कराया। उन्नाव से रायबरेली और रायबरेली से उन्नाव को आने जाने वाली ट्रेनों को पहले स्टेशनों पर ही रोक दिया गया। रेलवे ट्रैक बंद होने की जानकारी मिलते ही डीआरडी व ओएचई की टीम रेल कर्मियों के साथ मौके पर पहुंची। रेल कर्मियों की मदद से पेड़ को काटकर रेलवे ट्रैक से हटवाया गया। उसके बाद ओएचई लाइन को दुरुस्त की गई। इस दौरान ऊंचाहार एक्सप्रेस, कानपुर रायबरेली पैसेंजर, मालगाड़ी समेत अन्य ट्रेन प्रभावित हुई। आरपीएफ प्रभारी केके तिवारी ने बताया कि डाल गिरने से रेलवे ट्रैक बाधित हुआ था। ट्रैक दुरुस्त करने के बाद संचालन शुरू करवा दिया गया है।

सुबह रायबरेली पैसेंजर और ऊंचाहार ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों को करीब चार घंटे तक परेशान होना पड़ा। एक ट्रेन को बीघापुर रेलवे स्टेशन पर ही काफी देर तक रोकना पड़ा तो दूसरी रायबरेली को जाने वाली ट्रेन को उन्नाव रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया था। सिंगल रूट होने के चलते यात्री दूसरी किसी ट्रेन से सफर नहीं कर सके।

बड़े ही धूमधाम से गणेश महोत्सव का हुआ शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। कस्बे सहित समूचे क्षेत्र में आज गणेश महोत्सव की शुरूआत बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ प्रारम्भ हुआ। आचार्य द्वारा वैदिक मन्त्र उच्चारण के साथ गजानन की स्थापना करावा कर प्रसाद वितरण किया गया। नगर पंचायत ऊगू में काली माता मंदिर में सार्वजनिक कार्यक्रम में दूसरी बार गणेश महोत्सव का शुभारम्भ हुआ जिसमें आचार्य ऋषिकांत द्वारा वैदिक मंत्रोउच्चारण कर गणेश प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पित करवा कर नगर में दूसरी बार गणेश जी की स्थापना करवाई जिसमे नगर की काली मंदिर समिति के सदस्य व मनु शुक्ला,संदीप कश्यप,राम जी गुप्ता,रिंकू,पप्पू, कनौजिया,अरविंद, अन्नू, अंशू, छोटू, आदि ने गजानन का भव्य दरबार सजाकर मूर्ति स्थापना की। शाम होते ही भजन कीर्तन सुनने व पूजन करने को लेकर पांडालों में भीड़

एकत्रित होने लगी।गणेश महोत्सव में प्रति दिन भजन कीर्तन व आरती कर गणपति बप्पा मोरया के जयकारों के साथ विघ्नहर्ता गणेश की महिमा का बखान किया जाएगा व 24 सितंबर को सुबह दस बजे मूर्ति विषर्जन की विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी।

परसेढा गांव में लगा स्वास्थ्य शिविर मरीजों का हुआ उपचार

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर। जनपद के बिंदकी तहसील अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमौली के तत्वावधान में निरंतर चल रहे स्वास्थ्य शिविर अभियान के तहत विकासखंड के परसेढा गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर पुष्कर कटियार द्वारा मिली जानकारी के अनुसार गांव में कुल 19 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमें चार मरीजों की मलेरिया डेंगू पैरासाइट की जांच भी की गई शिविर के अंतर्गत बुखार के नौ मरीज सर्दी जुकाम के तीन तथा अन्य मर्जो के सात मरीज मिले वही चार मरीजों की किट जांच की गई जो सभी ऋणात्मक पाए गए कैंप में मौजूद चिकित्सक डॉक्टर रोहिणी डॉक्टर श्याम लैब टेक्नीशियन जगमोहन तथा विवेक के साथ संपूर्ण चिकित्सकों ने गांव में भ्रमण करते हुए ग्रामीणों को साफ सफाई के प्रति जागरूक किया वहीं शिविर में आए हुए सभी मरीजों का उपचार करते हुए निशुल्क दवा वितरित की गई

पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज करने के निर्देश

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। डीएम से पीड़ित ने शिकायत किया जिसपर एसडीएम ने सीज की कार्यवाही करते हुए एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। बीते दिनों पुरवा तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी अपूर्वा दुबे को शिकायत कर्ता अरविंद कुमार द्वारा दिए गए शिकायती पत्र में ग्राम पंचायत चमियानी तहसील पुरवा के गाटा संख्या 2779 क और 2779 ख जो कि नवीन परती और बंजर के रुप में दर्ज है। दुकानदार अनिल कुमार मौरंग, गिट्टी व जीरा डालकर भण्डारण किया गया है। वहीं उपजिलाधिकारी अतुल कुमार व लेखपाल प्रशांत अवस्थी मौके पर जाकर जांच पड़ताल शुरू किया जिसपर पाया कि दुकानदार अनिल ने अवैध रुप से 112 घन मीटर गिट्टी 42 घन मीटर जीरा, 45 घन मीटर बालू और 90 घन मीटर मौरंग डालकर व्यापार किया जा रहा था। जिसको सीज कर दिया गया है तथा दुकानदार अनिल कुमार के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज कराई जा रही है तथा क्षेत्रीय लेखपाल दिनेश पटेल को प्रतिकूल प्रविष्टि दे दी गई है। वहीं इस विषय में एसडीएम अतुल कुमार ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर पार कर दिया लाखो का सामान

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कस्बा मोहल्ला मुन्नू मियां तलैया में चोरों ने एक मकान में लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने नगदी और गहनों पर हाथ साफ कर दिया है। जानकारी के मुताबिक चोरों ने पहले घर की छत पर बैठकर इत्मीनान से शराब पी और उसके बाद घर के सारे कीमती सामान पार कर दिया। पीड़ित परिवार के मुताबिक चोरों ने तकरीबन 70 से ?100000 की चोरी की बीती रात चोरों ने मोहम्मद आसिफ के तलैया मोहल्ले में बने घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया नगर थाना क्षेत्र में इन दोनों चोरी की घटना आम हो गई है कल सी एच सी बांगरमऊ से 3 साइकिल चोरी हो गई और कस्बा चौकी पुलिस कुंभकर्णी नींद में सोती रही। गृह स्वामी ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

साधन सहकारी समिति के नए सदस्य बनाने का कार्य शुरू

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। साधन सहकारी समितियों में घर घर जाकर नये सदस्य बनाने का काम सचिव द्वारा शुरू हो रहा है। साथ ही बने सदस्यों को तीन प्रतिशत लोन खेती व पशुपालन व मत्स्यपालन के लिए वार्षिक ब्याज पर मिलेगा वहीं अब तक 2264 सदस्य बनाए जा चुके। विकास खंड की 10 साधन सहकारी समितियों में पासाखेडा, चमियानी, त्रिपुरारपुर, मिजार्पुर सुम्हारी, तुसरौर, दरेहटा, बेहटा भवानी, पकराबुर्जग, सिजनी सोहरामऊ, पुरवा में समितियां है। इन समितियों से किसानों को खाद मिलती है तथा गेहूं व धान खरीद केद्र बनाए जाते हैं। समितियों से गांव में रहने वाले प्रत्येक परिवार को समितियों से जोड़ा जाएगा। ताकि गांव के गरीब परिवारों को कृषि व पशुपालन एवं मत्स्यस्यपालन के लिए तीन प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से लोन मिल सके। पीएम ने दिल्ली व सीएम ने यूपी से इस महा अभियान की शुरू आत किया है। वहीं इस विषय में एडीओ सहकारिता आशीष कुमार ने बताया कि 1 से 30 सितम्बर तक गांव के प्रत्येक परिवार को सदस्य बनाना है जो परिवार के सदस्य नही है उन्हे सदस्य बनाना है सदस्य बनाने के लिए 221 रुपया व आधार कार्ड रुपया जमा करना होगा प्रत्येक समिति से 280 सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा खया है। लेकिन सचिव इससे ज्यादा सदस्य बंनाएगे।ताकि कोई भी व्यक्ति सदस्य सेन छूटने पाए सदस्य बनने पर कृषि कार्य के लिए छ,छ माह पर फसली लोन तथा पशुपालन व मत्स्यस्यपालन के लिए तीन प्रतिशत वार्षिक ब्याज पर लोन दिया जाएगा।

मंदिर निर्माण के पहले ही आई दरारें

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। पीएन सी कंपनी के ठेकेदार मंदिर का निर्माण कर रहे हैं निर्माण पूरा होने के पहले ही मंदिर की दीवारों में दरारें आ गई हैं जिससे क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त हो गया है वही क्षेत्रीय लोगों ने जांच करने की मांग कीउन्नाव से रायबरेली नेशनल हाईवे का निर्माण प्रगति पर चल रहा है नेशनल हाईवे के निर्माण में जो भी सरकारी इमारत या मंदिर हाईवे निर्माण की परिधि में पड़ता है उसको पीएसी कंपनी जो नेशनल हाईवे का निर्माण कार्य कर रही है वह इस तरीके का दूसरी जगह उसे हटके बना रही है किसी के तहत मां आनंदी देवी मंदिर ग्राम दांदामऊ तहसील बीघापुर उन्नाव लालगंज हाइवे ठल्ल 31 के अंतर्गत आता है के अंतर्गत आ रहा है जिसका निर्माण पीएनसी कंपनी द्वारा दूसरी जगह किया जा रहा है जिसके निर्माण में घटिया सामग्री भारी अनियमितता किए जाने के कारण पहली ही बारिश में बीम धस कर टूट गया और पिलर चटक कर टेढ़े हो गए है,जिसके खिलाफ विश्व हिंदू परिषद और ग्रामीणों ने दिया एसडीएम को सौंपा शिकायती पत्र। और उचित कार्यवाही कर मंदिर परिसर का निर्माण पुराने मंदिर की तरह ही कराए जाने का अनुरोध किया।

विद्युत पोल टूट कर वृद्ध पर गिरा, मौत

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। थाना क्षेत्र के एक गांव में देर शाम ट्रांसफार्मर रखते समय विद्युत पोल टूट कर नीचे खड़े वृद्ध पर गिर पड़ा जिससे वो बुरी तरह जख्मी हो गया परिजन उसे सी एच सी बांगरमऊ ले गए जहा से उसे रिफर कर दिया गया परिजन उसे दूसरे अस्पताल लेकर जा रहे थे लेकिन वृद्ध ने दम तोड दिया सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया मृतक अविवाहित था

थाना फतेहपुर चौरासी क्षेत्र के प्रशुरामपूर मजरा भूटिया निवासी राम कृष्ण 60 वर्ष पुत्र मथुरा प्रसाद के घर पास विद्युत पोल पर विद्युत कर्मी ट्रांसफार्मर रख रहा था अचानक विद्युत पोल टूट गया जिसके नीचे खड़े राम कृष्ण जख्मी हो गया परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बांगरमऊ ले गए गंभीर हालत देखते डॉ ने उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया परिजन उसे ले जाने वाले थे लेकिन वृद्ध ने दम तोड दिया सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया मृतक के भाई राधा कृष्ण ने बताया कि मृतक ने विवाह नही किया उनकी देखभाल हम सभी लोग करते थे।

मुख्यमंत्री आवास योजना के स्वीकृत पत्र दिए गए

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर।जनपद के मलवा,खजुहा व अमौली कस्बे के ब्लॉक मुख्यालयों में मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास योजना स्वीकृत पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा विधायक राजेंद्र सिंह पटेल ने लोगों को आवास योजना के स्वीकृत पत्र दिए इस मौके पर उन्होंने कहा की केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार तथा प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार जनता के हित के लिए लगातार कार्य कर रही है इसी के चलते पात्र लोगों को मुख्यमंत्री आवास योजना के स्वीकृत पत्र दिए गए जहां मलवा कस्बे के ब्लॉक मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम मलवा ब्लाक में समाजसेवी रमनजीत सिंह खजुआ कस्बे के ब्लॉक मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम खजुआ ब्लॉक प्रमुख पति नागेंद्र सिंह उत्तम अमौली कस्बे के ब्लॉक मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम ब्लॉक प्रमुख सुशीला सिंह बीडीओ विपुल विक्रम सिंह के अलावा भाजपा मण्डल अध्यक्ष संतोष गुप्ता राजकुमार आदि लोग मौजूद रहे

श्रीअन्न में है पोषक तत्वों का भरपूर खजाना: डा0 के एम सिंह

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, बहराइच पर चार दिवसीय रबी तिलहनी बीज उत्पादन तकनीक पर 15 किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम संयोजक बीज वैज्ञानिक सुनील कुमार ने किसानों से तिलहनी बीज उत्पादन को बढ़ावा देने का अनुरोध किया। केंद्र पर चल रही 15 दिवसीय प्रमाण पत्र पाठयक्रम विषय उर्वरक विक्रेताओ के लिए एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन एवं तिलहनी बीज उत्पादन के प्रशिक्षणार्थियों के साथ फसल अनुसंधान केंद्र के प्रभारी अधिकारी डा. महेंद्र सिंह व क्रिस्टल कम्पनी के नॉर्थ रीजनल प्रोडक्ट डेवलोपमेंट मैनेजर भागीरथी गुप्ता को केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डा. के. एम. सिंह ने प्रक्षेत्र पर लगी श्रीअन्न की फसलें बाजरा, मडुआ, सावां, मक्का, दलहनी फसलें उर्द, मूंग, अरहर के प्रक्षेत्र प्रदर्शनों का भ्रमण कराया। भ्रमण के दौरान डा. सिंह ने बताया कि मोटा अनाज मधुमेह रोग एवं हृदय रोग के जोखिम को कम करने में मदद करता है। मिलेट्स में कैल्सियम, लोहा, प्रोटीन, खनिज लवण और विटामिन्स चावल और गेहूं से तीन से पांच गुना अधिक पोषण मान होता है। मोटा अनाज स्टार्च का बढ़िया स्रोत है, जो इसे उच्च ऊर्जा वाला भोजन बनाता है। मोटा अनाज प्रोटीन और फाइबर का उत्कृष्ट स्रोत है। भ्रमण के दौरान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. अरुण राजभर, सुनील कुमार, डा.नीरज सिंह, संजय पाठक, बागेश्वरी, चंद्रप्रकाश और सिराज आदि उपस्थित रहे।

चिंतन

आतंक के आकाओं पर कठोर एक्शन जरूरी

जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर से आतंक की घटनाओं में तेजी आई है। सेना के ऑपरेशन क्लीन के बाद घाटी में आतंकी गतिविधियों और पत्थरबाजियों पर लगाम लगी थी। दहशतगर्दी में कमी आई थी, लेकिन अभी अचानक जम्मू में आतंकियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधानों के विच्छेद के बाद आतंकियों ने गैर कश्मीरियों पर हमला शुरू किया था और कइयों को मौत के घाट उतार दिया था, उसके बाद कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाना शुरू किया। इन सब पर अंकुश लगा तो अब घाटी के दहशतगर्द सुरक्षा बलों पर जानलेवा हमला कर रहे हैं। अनंतनाग में चार दिन से आतंकियों व सुरक्षा बलों बीच एनकाउंटर चल रहा है। बुधवार को एनकाउंटर में सेना के कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धौंचक और जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीएसपी हुमांयू भट शहीद हो गए, इस दिन आतंकियों की गोली लगने से घायल जवान भी शुक्रवार को शहीद हो गए। आतंकियों ने मंगलवार को उस वक्त हमला किया था, जब सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस तलाशी अभियान चला रही थी। जम्मू-कश्मीर में पिछले तीन साल में यह सबसे बड़ा हमला है, जिसमें इतने बड़े अफसरों की शहादत हुई है। इससे पहले कश्मीर के हंदवाड़ा में 30 मार्च 2020 को 18 घंटे चले हमले में कर्नल, मेजर और सब-इंस्पेक्टर समेत पांच अफसर शहीद हुए थे। इस साल जनवरी से अब तक जम्मू-कश्मीर में 46 आतंकी मारे गए हैं। इनमें 8 ही स्थानीय थे और बाकी सभी पाकिस्तान के थे। पुलिस प्रमुख दिलबाग़ सिंह के अनुसार पिछले साल 65 आतंकियों को मारा गया था व 17 को गिरफ़्तार किया गया था। मंगलवार के दिन ही राजौरी के नारला गांव में मुठभेड़ के दौरान सेना के जवान रवि कुमार शहीद हो गए थे। यह बहुत दुखद है। राजौरी में हुए हमले के बारे में भारतीय सेना का कहना था कि इसमें कुछ साल पहले ही बनी पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ़ोर्स (पीएएफ़एफ़) का हाथ है। 2019 के अगस्त से पहले अविभाजित जम्मू-कश्मीर में हिज़्बुल मुजाहिदीन, लश्करे तैयबा और जैशे मोहम्मद जैसे पाक के हथियारबंद आतंकी गुट सक्रिय थे। अपुच्छेद 370 के विच्छेदन के बाद से आतंकी घटनाओं की जिम्मेवारी दहशतगर्दी गुट टीआरएफ़ और पीएएफ़एफ़ ले रहे हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस के अनुसार टीआरएफ़ कश्मीर घाटी में जबकि पीएएफ़एफ़ जम्मू के राजौरी और पुंछ में अधिक सक्रिय है। गृह मंत्रालय ने टीआरएफ़ और पीएएफ़एफ़ को आतंकवाद निरोधी कानून यूएपीए के तहत आतंकवादी गुट घोषित कर दिया है। ब्लैक लिस्ट होने से बचने के लिए 2016 से ही पाकिस्तान ने कश्मीर में आतंकवाद को स्थानीय रंग देना शुरू किया। इसी रणनीति के तहत पाक के लश्करे तैयबा टीआरएफ़ और जैशे मोहम्मद पीएएफ़एफ़ के तौर पर घाटी में सक्रिय है। पिछले तीन साल के दौरान कश्मीर और जम्मू के विभिन्न आतंकी हमलों की ज़िम्मेदारी टीआरएफ़ व पीएएफ़एफ़ ने ली है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के सफाये के लिए सुरक्षा बलों को अधिक गहनता के साथ अभियान चलाना होगा। ऑपरेशन क्लीन को व्यापक बनाना होगा व जवानों को बुलेट प्रूफ जैकेट जैसे सुरक्षा कवचों से लैस करना होगा। पाकिस्तान से घुसपैठ तंत्र को ध्वस्त करना होगा। कश्मीर में आतंकवाद के लिए जिम्मेदार पाक के दहशतगर्दी गुटों व उसके आकाओं पर सर्जिकल स्ट्राइक से अधिक कड़ा एक्शन लेना होगा। पाक प्रायोजित आतंकवाद का अंत जरूरी है।

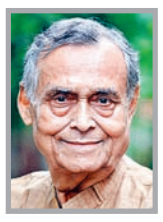

जिरहनामा

कनक तिवारी

संविधान राजपथ पर पड़ा हुआ रोड़ा लगता होगा। वह जनपथ पर चलने की नसीहत क्यों देता है? ऐसा रोड़ा हटा देना है। संविधान की उद्देषिका उसका दिल है। उसे छोड़कर जो किया जाएगा, गैरसंवैधानिक होगा। यह समझना कि संविधान नेताओं ने ही बनाया है, सरासर गलत है। अंधभक्त पीढ़ी भक्तिभाव में संवैधानिक सच नहीं समझ पाती है। लोकतंत्र की बुनियाद नेता, सरकार, राष्ट्रपति और अन्य संवैधानिक पदाधिकारी नहीं हैं। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सुप्रीम कोर्ट, राज्यपाल और मुख्यमंत्री वगैरह सार्वभौम नहीं हैं? सुप्रीम कोर्ट ने बार बार कहा है हम भारत के लोग अर्थात् जनता ही सार्वभौम है। संविधान भी सार्वभौम नहीं है।

वन नेशन, वन इलेक्शन?

सनसनी फैली हुई है कि 18 सितम्बर (2023) से लोकसभा का विशेष सत्र बुलाया गया है। एजेंडा जाहिर या प्रसारित नहीं है। अलबत्ता नेपथ्य में फुसफुसाहटें हैं। 'वन नेशन वन इलेक्शन' सरकार का इरादा है। विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव एक साथ करा दिए जाएं। ऐसा अजूबा आज़ादी के पंद्रह वर्ष के बाद से विधायिकाओं की घट बढ़ उम्र के चलते कभी नहीं हुआ। अम्बेडकर के संविधान सभा में कथन के कारण भी हो नहीं सकता था। संवैधानिक कहानी 15 जून 1949 से शुरू हुई है। संविधान सभा में प्रारूप समिति के अध्यक्ष डा. बी. आर. अम्बेडकर ने चुनाव आयोग की स्थापना तथा अधिकारिता सम्बन्धी अनुच्छेद 324 (प्रारूप में अनुच्छेद 289) को बहस के लिए पेश किया था। अम्बेडकर ने खुलासा किया चुनाव आयोग के जरिए संसद और विधानसभाओं के चुनाव कराने का प्रावधान अब होगा। हमने चुनावी मशीनरी कायम करते चुनाव मैनेजमेन्ट का प्रावधान किया है। बहुत खुलकर कहा इसमें शक नहीं कि आम तौर पर चुनाव हर पांच वर्ष बाद ही होंगे। प्रश्न फिर भी रहेगा उपचुनाव किसी भी समय हो सकते हैं। पांच वर्ष के पहले विधानसभा भंग भी हो सकती है। स्थायी मुख्य चुनाव आयुक्त और उसकी मशीनरी के जरिए चुनाव कराना बड़ा बदलाव है। हमने राज्यों (प्रदेशों) को अधिकार नहीं दिया है क्योंकि वहां से गुटबाजी की शिकायतें आ रही हैं। केन्द्रीय चुनाव आयोग की नियुक्ति राष्ट्रपति करेंगे।

सजग सदस्य शिब्बनलाल सक्सेना ने प्रारूप के बुनियादी सोच पर हमला करते कहा चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति क्यों करें? केन्द्रीय मंत्रिपरिषद और उसके मुखड़े प्रधानमंत्री की हर सिफारिश मानना राष्ट्रपति के लिए लाजिमी होगा। प्रधानमंत्री के हुक्म जनता पर चुनाव आयोग के जरिए लादकर चुनाव प्रबंधन उसके हाथ दे देना कहां तक लोकतांत्रिक है? सक्सेना ने नायाब प्रस्ताव किया वही व्यक्ति प्रमुख चुनाव आयुक्त नियुक्त हो जिसके पक्ष में लोकसभा और राज्यसभा दोनों के सदस्यों का दो तिहाई बहुमत जरूर हो। लचीला लेकिन विचारोत्तेजक सुझाव अम्बेडकर ने नहीं माना। सक्सेना ने कहा आजाद खयालों और निष्पक्ष आचरण के प्रधानमंत्री नेहरू चाहें तो अपनी पार्टी का कोई व्यक्ति नियुक्त कर सकते हैं, लेकिन कतई नहीं करेंगे। लेकिन हम आश्वस्त नहीं हैं कि आगे प्रधानमंत्री नैतिक और प्रशासनिक स्केल पर नेहरू की कदकाठी के होंगे। प्रधानमंत्री अपनी पसंद के व्यक्ति को नियुक्त करेंगे तो लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र में समर्थन के लिए थोड़ा सा विरोध होने पर भी संसार के जनमत के सामने उनका सिर झुक जाएगा। सक्सेना ने भी जोर देकर कहा 'शायद किसी न किसी प्रान्त में हमेशा चुनाव होते ही रहेंगे। देशी रियासतों के शामिल होने पर लगभग तीस प्रान्त हो जाएंगे। मुमकिन है केन्द्र तथा अलग अलग प्रान्तों के विधान मंडलों के चुनाव एक ही समय पर नहीं हों। दस बारह वर्ष के पश्चात हर समय किसी न किसी प्रान्त में चुनाव होता रहेगा।'

असम के कुलाधर चालिहा ने ताबड़तोड़ भाषण में प्रस्तावित प्रावधानों की छीछालेदर करते कहा राष्ट्रपति को नियुक्त करने का अधिकार दिया जा रहा है। किसी राजनीतिक पार्टी के सदस्य होने से उनके पक्षपाती रहने की इन्सानी गुंजाइश है। हृदयनाथ कुंजरू ने अलबत्ता महत्वपूर्ण कहा दुनिया में किसी संविधान को नहीं जानता जहां फेडरल देश में चुनाव की सभी खटपट और जिम्मेदारियां चुनाव आयोग के मत्थे मढ़ी जाएं। अजूबा केवल भारतीय फेडरल लोकतंत्र में किया जा रहा है। सदस्यों की आशंका थी आगे ऐसा प्रधानमंत्री आ सकता है जो अपनी सत्ता कायम रखने चुनाव आयोग को बंधुआ मजदूर बनाकर अपनी सियासी सेवाटहल कराने हुक्मबजाऊ चुनाव आयुक्तों को नियुक्त करे। प्रबल तर्कों के लिए मशहूर हरि विष्णु कामथ ने कहा सवाल है राज्यों के लिए गोल मोल लिखा है कि उन्हें बचा खुचा अधिकार याने खुरचन दी जाएगी। नजीरुद्दीन अहमद, कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी, ठाकुरदास भार्गव जैसे सदस्य सरकारी प्रस्ताव के समर्थन में रहे। राज्यों का क्षेत्राधिकार बर्फ की सिल्ली की तरह चट्टान होने का धोखा देता है। जैसे ही उस पर केन्द्र की कार्यवाही की गर्मी पड़ती है, पिघलकर पानी हो जाता है।

मई 2024 में लोकसभा चुनाव तय है। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का शिगूफा फुसफुसाता है या तो 2023 में होने वाले पांच राज्यों की विधानसभाओं का समय संसदीय हुक्म से बढ़ा दिया जाए। जिससे चुनाव लोकसभा के साथ हो सकें। विकल्प में मौजूदा लोकसभा भंग कर दी जाए और पांचों विधानसभाओं के साथ लोकसभा चुनाव भी करा लिया जाए। तब तक संसद का मुंह बंद हो लेकिन मंत्रिपरिषद संविधान के मुताबिक कायम रहे। अटल बिहारी बाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में संविधान का रिव्यू करने सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड चीफ जस्टिस एम. एन. वेंकटचलैया की अध्यक्षता में 11 सदस्यीय कमेटी बनाई गई। उसने 2002 में सरकार को सिफारिशों सहित रिपोर्ट पेश कर दी सिफारिशों के सार संक्षेप के अध्याय 4 में चुनाव प्रक्रियाओं को लेकर 64 सुझावों में कहीं भी विधानसभ को भंग कर 'वन नेशन वन इलेक्शन' जैसे शगल क सुझाव नहीं है। अब ताकतवर प्रधानमंत्री की हुकूमत संविधान को चुनौती दे रही है।

संविधान राजपथ पर पड़ा हुआ रोड़ा लगता होगा। वह जनपथ पर चलने की नसीहत क्यों देता है? ऐसा रोड़ा हट देना है। संविधान की उद्देषिका उसका दिल है। उसे छोड़कर जो किया जाएगा, गैरसंवैधानिक होगा। यह समझना कि संविधान नेताओं ने ही बनाया है, सरासर गलत है। अंधभक्त पीढ़ी भक्तिभाव में संवैधानिक सच नहीं समझ पाती है। लोकतंत्र की बुनियाद नेता, सरकार राष्ट्रपति और अन्य संवैधानिक पदाधिकारी नहीं हैं राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सुप्रीम कोर्ट, राज्यपाल और मुख्यमंत्री वगैरह सार्वभौम नहीं हैं? सुप्रीम कोर्ट ने बार बा कहा है हम भारत के लोग अर्थात् जनता ही सार्वभौम है संविधान भी सार्वभौम नहीं है। चुनने का अधिकार मूल अधिकार है लेकिन सांसद, विधायक बनने चुनाव लड़ने का अधिकार संविधान के तहत बने अधिनियम का है 'वन नेशन वन इलेक्शन' की आड़ में केन्द्र सरका जनप्रतिनिधियों की हुकूमत करने का अधिकार खंडित नहीं कर सकती। 'वन नेशन वन इलेक्शन' लागू करना है तो संविधान में अधिकार मांगते जनमत संग्रह भी करा ले जनता ही संविधान बल्कि देश के अस्तित्व की बुनियाद है। 25 नवम्बर 1949 को संविधान सभा के अंतिम भाषण में डा. अम्बेडकर ने दो टूक कहा आजादी की लड़ाई के दौरान कई लोग 'भारत की जनता' शब्द कहने के बदले 'भारतीय राष्ट्र' शब्दों को पसंद करते थे। 'हमारा एक राष्ट्र है' कहते हम एक बड़े मायाजाल में फंस रहे हैं। हजारों जातियों में बंटी जनता किस प्रकार एक राष्ट्र हो सकती है? जातियां सामाजिक जीवन में अलगाव पैदा करती हैं। वर्ण और वर्ग भी राष्ट्रीयता के विरोधी हैं। एक राष्ट्र बनना है, तो इन बुराइयों को दूर करना पडेगा। रवीन्द्रनाथ टैगौर ने भी विश्व की सांस्कृतिक एकता समझाते धर्म पर संकीर्ण चेहरे का मुखौटा लगाए राष्ट्रवाद की मुखालफत की थी। विवेकानन्द ने राष्ट्र के संकीर्ण ठेकेदारों को लानत भेजी थी। अम्बेडकर की ऐतिहासिक चेतावनी ने संविधान सभा में तय किया था भारतीयों के अधिकार क्या होंगे। 'वन नेशन या एक राष्ट्र' का नारा क्यों इंजेक्ट किया जा रहा है समीक्षा कमेटी में राष्ट्रपति को समीक्षा कमेटी का अध्यक्ष बनाना ऐतिहासिक असंवैधानिक अजूबा है।

ओजोन परत संरक्षण दिवस

डॉ. अनीता सावन्त

मांट्रियल संधि में शामिल देशों को प्रोटोकाल का पालन करना होगा

विश्व के समक्ष उपस्थित पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक ओज़ोन परत को हो रही क्षति को रोकना एवं पूर्व में हुए नुकसान की भरपाई करना ऐसी चुनौती है, जिसका निवारण सामूहिक प्रयासो से ही संभव हो सकता है। ये सत्य है कि धरती को भले हमने राष्ट्रों की सीमाओं के दायरे में रखा है, लेकिन अंततः आसमान एक ही है। विकसित या विकासशील देशों की हर ऐसी गतिविधि, जिससे किसी भी रूप में उत्सर्जन होता है और अवांछित गैसें वायुमंडल में मिलती है, उनका प्रभाव वैश्विक होता है। 20वीं सदी के मध्य एवं उत्तरार्ध में औद्योगीकरण की अनियमित एवं अनियंत्रित गति के साथ जीवनशैली में आए परिवर्तन एवं इसे सुविधाभोगी बनाने के उपक्रम में तमाम पर्यावरणीय मापदंडों को ताक में रखकर जो विकास हुआ उसका सबसे बड़ा दुष्प्रभाव स्ट्रेटोस्फीयर में उपस्थित ओज़ोन परत की सांद्रता पर भी पड़ा।

रेफ्रीजरेटर, एयर कण्डीशनर, एयरोसॉल्स, इन्सूलेटेड फोम, पेन्ट और कार्बनिक विलायकों में प्रयुक्त होने वाले हैलोजन तथा क्लोरोफ्लोरो कार्बनयुक्त रसायनों के असीमित उपयोग और उपयोग के दौरान वायुमंडल में इनके उत्सर्जन से इनमें उपस्थित हैलोजन परमाणुओं द्वारा ओज़ोन के अणुओं में से एक ऑक्सीजन के परमाणु को विस्थापित कर ओज़ोन के अणुओं को विच्छेदित करने के कारण ओज़ोन परत की सघतना क्रमशः कम होने लगी, जिसके कारण सूर्य प्रकाश में उपस्थित हानिकारक अल्ट्रावयलेट किरणों का पृथ्वी के वायुमंडल में बेरोकटोक प्रवेश होने लगा। जिसके दुष्प्रभाव न सिर्फ मनुष्यों वरन्-जीव-जन्तुओं और वनस्पतियों पर भी दिखाई देने लगे। ऑखों में कैटरेक्ट, न्यूक्लीयर कैटरेक्ट, कॉर्निया में सूजन, इन्ट्रासेल्यूलर क्षति, त्वचा का झुलसना, डी.एन.ए. में बदलाव से अनुवांशिक परिवर्तन या विकृति और त्वचा कैंसर के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी जैसी समस्याओं के कारण वैश्विक स्तर पर इस पर्यारणीय समस्या का सामूहिक रूप से सामना करने की कार्ययोजना बनाई गई और विश्व में व्यापक स्तर पर इस पर अमल किया गया।

सन- 1987 में मांट्रियल में हुई अंतर्राष्ट्रीय संधि में शामिल लगभग 200 देशों के सामूहिक प्रयासों से सभी देशों ने प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करने हेतु हर संभव प्रयास किया। इसके लिये विश्व के तमाम देशों को न केवल हैलोजन और क्लोरोफ्लोरो कार्बनयुक्त रसायनों के विकल्प बताए गए बल्कि वैकल्पिक उत्पादन तकनीकों की जानकारी उपलब्ध कराई गई। विगत 35 वर्षो में पर्यावरण रक्षक ओजोन परत की सघनता के बढ़ने का महत्वपूर्ण कारण वैज्ञानिक अनुसंधान और सामूहिक तथा व्यक्तिगत प्रयासों के साथ राजनैतिक नैतृत्वों की दृढ़ इच्छाशक्ति ही है। यदि मॉंट्रियल प्रोटोकॉल और वियना सम्मेलन में शामिल देशों ने यथार्थ में उन सभी उपायों पर अमल नही किया होता जो इन संधियों मे शामिल थे, तो शायद हम इतनी जल्दी इतनी बड़ी सफलता हासिल नही कर पाते।

बहरहाल मांट्रियल प्रोटोकॉल के तहत उठाये गये मुद्दे हर किसी के जीवन से जुड़े थे। 20 वीं सदी के मध्य में नासा से प्राप्त ध्रुवीय क्षेत्रों में व्याप्त ओजोन के चंदोवे के छिद्रों के छायाचित्रों ने, न सिर्फ पर्यावरणविदों वरन्-दुनियाभर की राजनैतिक शक्तियों और जन सामान्य को ये सोचने पर विवश कर दिया कि ये मुद्दा पंख विहीन मुट्ठी भर ध्रुवीय पेंग्विन के जीवन से ही जुड़ा नही है, बल्कि स्ट्रेटोस्फीयर में उपस्थित ओजोन पर्त की सघनता हमसे, हर किसी से जुड़ा मुद्दा है। इसलिये वायुमण्डल में व्याप्त इस नाममात्र की ओजोन परत की सुरक्षा के लिये यदि हमने अपने रेफ्रीजरेटर, एयरकन्डीशनर या शरीर को दिनभर सुगन्धित और तरोताजा रखने वाले एयरोसॉल्सयुक्त डिओडोरेन्ट नही बदले तो हमें इसकी बड़ी कीमत चुकानी होगी।

दृष्टिकोण को बनाएं व्यापक

संकलित

दर्शन

श्री श्री रविशंकर । हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे सब कुछ अच्छा करें। परीक्षाओं और प्रतियोगिताओं में लगातार जीतने की इच्छा उनके लिए जीवन से भी बड़ी हो जाती है। वे विश्वास करने लगते हैं कि हर कीमत पर जीतना सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। जब उन्हें अस्वीकृति मिलती है, तब वे नहीं समझ पाते कि उन्हें क्या करना चाहिए। दरअसल, हम उन्हें विशाल दृष्टिकोण नहीं देते, तब जीवन में क्या सबसे महत्वपूर्ण है, इसके विषय में उनकी समझ असंतुलित हो जाती है। विशाल दृष्टिकोण यह है कि जीवन स्वयं में एक बहुत बड़ी परीक्षा है, जिससे होकर आप गुजर रहे हैं। ऐसा मत सोचिए कि परीक्षा में सफल या असफल हो जाने से पूरे जीवन की दिशा निर्धारित हो जाएगी। जो मूल्य एक दूसरे के विपरीत प्रतीत होते हैं, जैसे जीत या हार, सफलता या असफलता, ऊंचा या नीचा, वे वास्तव में एक दूसरे के पूरक हैं। एक मूल्य दूसरे मूल्य के महत्व को बढ़ाता है। एक विशाल आध्यात्मिक दृष्टिकोण के साथ ही युवा बिना अपनी मुस्कान और उत्साह को खोए हुए, जीवन के इन विपरीत मूल्यों की प्रशंसा करना सीख सकते हैं। ऐसी शक्ति, ऐसी मुस्कान, जिसे कोई छीन न सके और ऐसा साहस, जो विपरीत परिस्थितियों का सामना करने में भी समाप्त ना हो, वह सफलता है।

सेवा का समर्पण भाव

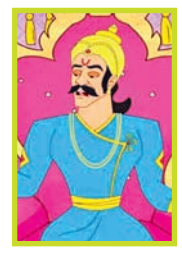

संकलित

प्रेरणा

एक बार एक राजा भोजन कर रहा था, अचानक खाना परोस रहे सेवक के हाथ से थोड़ी सी सब्जी राजा के कपड़ों पर छलक गई। राजा की त्यौरियां चढ़ गयीं। जब सेवक ने यह देखा तो वह थोड़ा घबराया, लेकिन कुछ सोचकर उसने प्याले की बची सारी सब्जी भी राजा के कपड़ों पर उड़ेल दी। अब तो राजा के क्रोध की सीमा न रही। उसने सेवक से पूछा, तुमने ऐसा करने का दुस्साहस कैसे किया? सेवक ने अत्यंत शांत भाव से उत्तर दिया, महाराज! पहले आपका गुस्सा देखकर मैनें समझ लिया था कि अब जान नहीं बचेगी। लेकिन फिर सोचा कि लोग कहेंगे की राजा ने छोटी सी गलती पर एक बेगुनाह को मौत की सजा दी। ऐसे में आपकी बदनामी होती। तब मैनें सोचा कि सारी सब्जी ही उड़ेल दूं। ताकि दुनिया आपको बदनाम न करे। और मुझे ही अपराधी समझे। राजा को उसके जबाव में एक गंभीर संदेश के दर्शन हुए और पता चला कि सेवक भाव कितना कठिन है। जो समर्पित भाव से सेवा करता है उससे कभी गलती भी हो सकती है फिर चाहे वह सेवक हो, मित्र हो, या परिवार का कोई सदस्य, ऐसे समर्पित लोगों की गलतियों पर नाराज न होकर उनके प्रेम व समर्पण का सम्मान करना चाहिए। बिना सोचे समझे पहले ही किसी पर अपनी नाराजगी जाहिर करना ठीक नहीं।

अंतर्मन

आज की पाती

सांस्कृतिक चेतना की संवाहक है हिंदी

प्रत्येक भाषा अपने क्षेत्र की सांस्कृतिक चेतना की संवाहक व संरक्षक मानी जाती है। भारत की राष्ट्रभाषा हिंदी वैज्ञानिक भाषा होने के साथ-साथ बोलने, सीखने, लिखने में बहुत ही आसान है। सन 1991 की जनगणना के अनुसार तैंतीस करोड़ बहत्तर लाख बहत्तर हजार चौदह लोगों ने इसे मातृभाषा लिखाया है। सूचना प्रोद्यौगिकी में भी हिंदी के कदम नित नए आयाम तय कर रहे हैं। हिंदी दिवस के सुअवसर पर सभी को इसके प्रचार-प्रसार में सहयोग देने का प्रण लेना चाहिए।

- मिलिन्द जोशी, राजनांदगाव

ट्रेंड

एलायंस सच से डरा

झूठ बोलने के एक सूत्रीय कार्यक्रम के तहत बने सनातन विरोधी एलायंस को सच सुनने में डर लगता है। इसलिए वे गठबंधन के आगे न झुकने वाले पत्रकारों के खिलाफ प्रतिबन्ध का ऐलान कर रहे हैं। स्पष्ट है कि झूठ पर खड़ा एलायंस सच से डरा हुआ है।

-धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय मंत्री

अद्भुत रिश्ते होंगे

एक बार जब आपके रिश्ते किसी और से खुशी निकालने के बजाय अपनी खुशी साझा करने के बारे में हों, तो आपके किसी के भी साथ अद्भुत रिश्ते होंगे। यदि आप समावेशी हैं, तो जीवन घटित होता है।

-सदगुरु, आध्यात्मिक गुरु

कोई परवाह नहीं

मेरे गुरु हमेशा मुझसे कहते हैं, "आप अपनी समस्याएं लोगों को क्यों बताना चाहते हैं तो इस मामले में 80 प्रतिशत लोगों को कोई परवाह नहीं होती है, और अन्य 20 प्रतिशत आपके पास खुश हैं।"

-हर्ष गोयनका, उद्योगपति

तो सारे बच जाते

अनंतनाग में शहीद हुए मेजर आशीष धौंचक की मां कह रही हैं "बेटा पाल कर देश को सौंप दिया, देश पर कुर्बान हो गया वो. सरकार क्या कर रही है? अगर सरकार बुलेट प्रूफ जैकेट दे देती तो सारे बच जाते। किसानों के बेटे ही शहीद हो रहे हैं। कौन सा सरकार का कोई बेटा शहीद हो रहा है।"

-सुप्रिया श्रीनेत, कांग्रेस प्रवक्ता

करंट अफेयर

ईरान पर परमाणु प्रतिबंध जारी रहेगा

ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने को कहा कि परमाणु कार्यक्रम और बैलिस्टिक मिसाइल बनाने को लेकर ईरान पर लगाए गए प्रतिबंध बरकरार रहेंगे। ईरान और पश्चिमी देशों के बीच हुए परमाणु समझौते, जोकि समाप्त हो चुका है, के तहत लागू की गई ये पाबंदियां समयसारिणी के अनुरूप अक्टूबर में खत्म होनी थी। यूरोपीय देशों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि वे समझौते का पालन नहीं करने के लिए ईरान पर अपने प्रतिबंध बरकरार रखेंगे। इन देशों ने ईरान पर परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइलों को विकसित करने पर प्रतिबंध लगा रखा है।

ऑफ बीट

पर्यटन भी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के लिए दोषी

कोविड महामारी के चलते कई वर्षों के व्यवधान के बाद लोगों के छुट्टियां मनाने का समय वापस आ रहा है। वर्ष 2022 में लगभग चार अरब यात्री अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सवार हुए, जबकि 2020 में दो अरब यात्रियों ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सफर किया था। हालिया शोध से पता चलता है कि लोग 2023 और उसके बाद भी यात्रा करना जारी रख सकते हैं। हालांकि यात्रा में यह वृद्धि चिंताजनक है। अकेले पर्यटन क्षेत्र अनुमानित 8-10 प्रतिशत वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार है। तेज गर्मी के चलते छुट्टियां बिताने के पारंपरिक स्थलों पर स्थितियां अधिक अप्रिय होती जा रही हैं।

संक्षेप

अज्ञात चोरों ने चार घरों को बनाया निशाना

एक घर की गृहस्थी पर किया हाथ साफ

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर, बहराइच। फखरपुर थाना क्षेत्र के गांवों में चोरों का आतंक छाया हुआ है। लगातार हो रही चोरियों से ग्रामीण सकते में है। अभी तक एक भी चोरी का खुलासा नहीं हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात सराय जगना में अलीम, वसीम, इसराख, इकबाल समेत चार घरो में चोरो ने धावा बोला लेकिन ग्रामीणों के जग जाने से भाग खड़े हुए। इकबाल के घर से 50 हजार की गृहस्थी पर हाथ साफ कर गए। इकबाल ने बताया घर मे रखा पायजेब, टिका, पायल, 35 सौ रुपए नगदी उठाकर ले गए। सुबह होने पर जानकारी हुई। बाकी अन्य के घरों में घुसे चोर परिजनों के जग जाने से हल्ला गुल्ला सुनकर भाग खड़े हुए। किसी का ताला काटा तो किसी की खिड़की टूटी पाई गई। वही इस सम्बन्ध मे एसओ मुकेश कुमार सिंह ने बताया अभी तक कोई ऐसी तहरीर नही मिली है।

सुल्तानपुर में बारिश के बाद रास्ते हुए खराब

कीचड़ युक्त रस्ते में बच्चे और अध्यापक फिसलकर गिरे, ग्रामीणों का आरोप-प्रधान नहीं बना रहे मार्ग

सुलतानपुर, सुल्तानपुर में इन दिनों बारिश का प्रकोप है। इस कारण शहर से लेकर गांव तक रास्तों का बुरा हाल है। खासकर ग्रामीण अंचल के उन स्कूल के रास्ते बदहाल हैं जिनमें सैकड़ों बच्चे शिक्षा लेने पहुंच रहे। ऐसा ही मामला जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेलहरी के सिपाह प्राथमिक विद्यालय का सामने आया है। स्थानीय लोगों की माने तो वर्षों से बने इस विद्यालय में आने-जाने के लिए कोई पक्का रास्ता नहीं है। बरसात में बच्चे और अध्यापक का विद्यालय तक पहुंचना बहुत कठिन कार्य हो जाता है। अब इधर बराबर बारिश से रास्ता दल-दल बन गया है।

अयोध्या में बुखार का प्रकोप बढ़ा

अयोध्या, अयोध्या जिले में इन दिनों बुखार का प्रकोप तेज है। अस्पतालों में ऐसे कई मरीज इलाज करा रहे हैं, जिनके बुखार के साथ-साथ प्लेटलेट लगातार गिर रही है। हालांकि, उनकी डेंगू की रिपोर्ट निगेटिव है। इस वजह से प्लेटलेट की डिमांड भी जिले में बढ़ रही है। दो ब्लड बैंक से प्रतिदिन करीब 15-20 यूनिट प्लेटलेट जारी की जा रही ह जिले में डेंगू समेत बुखार के अन्य मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले में डेंगू के तीन एक्टिव मरीज हैं। हालांकि अभी तक जिले में 90 मरीज मिल चुके हैं। प्रतिदिन काफी संख्या में मरीज राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज दर्शननगर और जिला अस्पताल, राजकीय श्रीराम अस्पताल में बुखार से ग्रसित होकर पहुंच रहे हैं।

सरकार की योजनाओं का लाभ सभी पात्रों को पहुंचाएं: ब्लॉक प्रमुख

लाभार्थी आवास के लिए किसी को पैसा ना दे: बीडीओ संदीप तिवारी

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। विकासखंड बलहा मुख्यालय के सभागार में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना के पात्र लाभार्थियों को पूर्ण लाभ प्राप्त करने के लिए ब्लॉक मुख्यालय के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख बलहा विजय कुमार वर्मा रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड विकास अधिकारी संदीप तिवारी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम का संचालन खंड विकास अधिकारी संदीप तिवारी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विजय कुमार वर्मा ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ जन जन तक पहुंचाने का कार्य हमारे कर्मचारी अधिकारी द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे प्रदेश में कोई भी मकान विहीन लाभार्थी नहीं रहेगा और सबके सर पर आवास का साया रहेगा। इसी क्रम में मुख्यमंत्री आवास और प्रधानमंत्री आवास के पात्र लाभार्थियों को बुलाकर उनको सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में पूर्ण जानकारी दी और आवास के पत्र बांटे गए।कार्यक्रम के दौरान खंड विकास अधिकारी संदीप तिवारी ने उपस्थित लाभार्थियों को बताया कि कोई भी कर्मचारी या अधिकारी द्वारा आवास में पैसा मांगे तो तत्काल इसकी लिखित सूचना तत्काल हमे या कार्यालय पर सूचित करें उसके ऊपर कठोर कार्रवाई की जाएगी और कोई भी लाभार्थी आवास संबंधित या अन्य योजनाओं संबंधित कोई भी रिश्वत नहीं देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के आयोजन पर 21 दिव्यांगों को मुख्यमंत्री आवास के प्रमाण पत्र सौंपे गये। इस मौके पर सहायक विकास पंचायत अधिकारी राजेश चौधरी ग्राम पंचायत अधिकारी संदीप त्रिपाठी मिथिलेश यादव रविंद्र यादव आशीष शर्मा रामनरेश राम नारायण मौर्य ग्राम विकास अधिकारी विजय कुमार सहित आवास लाभार्थी पुरुष व महिलाएं उपस्थित रही।

लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का हुआ सजीव प्रसारण

गर्भवती महिलाओं की गोदभराई व बच्चों का कराया गया अन्नप्रासन्न

स्वस्थ्य बालक-बालिका का प्रदान किया गया स्वस्थ्यता प्रमाण पत्र

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। राष्ट्रीय पोषण माह के अन्तर्गत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लोक भवन सभागार लखनऊ में रू0 155 करोड़ की लागत से 1359 आंगनबाड़ी केन्द्रों का लोकार्पण/शिलान्यास एवं रू0 50 करोड़ की लागत से 171 बाल विकास परियोजना कार्यालयों का शिलान्यास तथा 2.90 लाख आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिकाओं को यूनीफार्म (साड़ी) हेतु डीबीटी के माध्यम से रू0 29 करोड़ की धनराशि का अंतरण कार्यक्रम का कलेक्ट्रेट सभागार में एमएलसी डॉ प्रज्ञा त्रिपाठी, जिलाधिकारी मोनिका रानी, पार्टी पदाधिकारी रणविजय सिंह सहित अन्य अधिकारियों तथा अन्य सम्बन्धित की उपस्थिति में सजीव प्रसारण दिखाया गया। इस अवसर पर एमएलसी डॉ त्रिपाठी द्वारा जिलाधिकारी, पार्टी पदाधिकारी रणविजय सिंह व अन्य के साथ 13 गर्भवती महिलाओ की गोदभराई के साथ शाल भेंट किया गया। इसके अलावा 09 बच्चो का अन्नप्रासन कराया गया तथा बच्चों को खिलौना भी भेंट किया गया। इसी प्रकार 10 बच्चो के माता-पिता को स्वस्थ्य बालक बालिका स्पर्धा का स्वस्थ्यता प्रमाण पत्र के साथ स्कूल बैग, टिफिन एवं पानी की बोतल प्रदान किया गया। सभी लाभार्थियो एंव आंगनबाड़ी कार्यकत्रियो को सहजन का पौधा भी भेंट किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ एस.के. सिंह, उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजकपूर, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अव्यक्तराम तिवारी, सहायक श्रमायुक्त सिद्धार्थ मोदियानी, बाल विकास परियोजना अधिकारी तथा अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

लोकतंत्र रक्षक सेनानी देशराज मौर्य पंचतत्व मे विलीन

नायब तहसीलदार अल्पिका वर्मा ने पार्थिव शरीर पर अर्पित की पुष्पांजलि

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज तहसील के ग्राम रेवली निवासी वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता लोकतंत्र रक्षक सेनानी देशराज मौर्य का भोर पहर निधन हो गया। निधन की सूचना पर तमाम लोगो ने शोक व्यक्त किया। निधन की सूचना पर नायब तहसीलदार कैसरगंज अल्पिका वर्मा, थाना प्रभारी कैसरगंज राजनाथ सिंह ने मौके पर पहुँच कर लोकतंत्र रक्षक सेनानी को गॉड आफ ऑनर दिया व दो मिनट का मौन धारण कर मृत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। नायब तहसीलदार अल्पिका वर्मा ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। आपातकाल के दौरान संघर्षो के साथी रहे लोकतंत्र रक्षक सेनानी जरवल प्रमोद गुप्ता, पूर्व प्रधान लोकतंत्र रक्षक सेनानी बुधिसागर गुप्ता, प्रधान नासिर गंज बुधराम यादव पूर्व प्रधान कौशलेंद् चौधरी, अजय वर्मा पत्रकार सहित तमाम लोगों ने पुष्प अर्पित कर अंतिम विदाई दी।

समयबद्ध निपुण लक्ष्य हासिल करें शिक्षक साथी: करुणा कृष्ण

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। विकास खंड नवाबगंज अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक, शिक्षा मित्र एवं अनुदेशकों की न्याय पंचायत जमुनहा बाबागंज की मासिक बैठक उच्च प्राथमिक विद्यालय इमामनगर गड़रहवा में करुणाकृष्ण श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित की गई बैठक में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत निपुण लक्ष्य हासिल करने की कार्य योजना तथा विद्यालयों की शैक्षिक गुणवत्ता एवं सतत विकास हेतु चर्चा- परिचर्चा हुई। दिसंबर 2023 तक निपुण बनाने के लिए सुनियोजित कार्ययोजना पर शिक्षकों ने अपने - अपने अनुभव व विचार रखें। सभी शिक्षक विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों का निपुण लक्ष्य ऐप के माध्यम से नियमित आकलन कर प्रगति संबंधी अभिलेख विद्यालय में सुरक्षित रखने, निपुण तालिका नियमित भरने सहित बिभिन्न मुद्दों पर जानकारी साझा की गई। शिक्षक करुणाकृष्ण श्रीवास्तव ने कहा कि निपुण लक्ष्य ऐप पर बच्चों का आकलन अनिवार्य रूप से कराएं।कक्षा कक्ष में संदर्शिका आधारित शिक्षण कार्य, उपलब्ध प्रिंट रिच सामग्रियों, टीएलएम, गणित-विज्ञान किट के उपयोग, तथा विद्यालयों में सक्रिय पुस्तकालय संचालन तथा दीक्षा ऐप पर उपलब्धता शैक्षिक सामग्रियों के नियमित उपयोग की बात कही। इस मौके पर शिक्षक वैभव सिंह विशेन, जीतेन्द्र शर्मा, अब्दुल कदीर, आनंद आर्य, जब्बार अली, विनय सिंह, सर्वेश पाठक, अजीत सिंह, कैलाश नाथ वर्मा, नवनीत प्रेमी आदि उपस्थिति रहे।

इंडो नेपाल सीमा क्षेत्र में गणेश चतुर्थी की धूम

नगर के अलग अलग स्थानों पर सजाये गये पंडाल

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। गणेश चतुर्थी को लेकर इंडो नेपाल कस्बा रूपईडीहा में धूमधाम से तैयारियां चल रही है। मंगलवार शाम को उत्सव का पहला दिन है। रूपईडीहा सहित आसपास के गांवों में मंदिरों और पंडालों को सजाने का काम जोर-शोर से चल रहा है। पंचांग के अनुसार गणेश चतुर्थी तिथि से अनंत चतुर्दशी 10 दिनों के दौरान गणेश जी की विधि-विधान के साथ उपासना की जाती है। हर साल की तरह रूपईडीहा मे आदर्श नगर, स्टेशन रोड, आजाद नगर, रामजानकी नगर सहित के वलापुर, निधिनागर, पोखरा, जमुनहा, दशहरा बाग आदि स्थानों पर गणपति पूजा को लेकर खास तैयारियां चल रही है। मूर्तिकारों ने श्रद्धालुओं की पंसद के मुताबिक अलग-अलग तरीके की गणपति मूर्तियां बनाई हैं। गणपति के भोग के लिए मिठाइयों की दुकानों में मोदक और लड्डू की डिमांड बढ़ गई है। बाजार में फल-फूल से लेकर साज-सजावट के सामानों की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है।

नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पांडेय पहुंचे अपनी जन्मभूमि, हुआ भव्य स्वागत

अमन लेखनी समाचार

पयागपुर, बहराइच। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष बृजेश पाण्डेय मंगलवार को दोपहर बाद अपने जन्मभूमि विशेश्वरगंज पहुंचे। अपने आवास पहुंचने पर सर्वप्रथम अपने स्व पिता की समाधि पर जाकर पुष्प अर्पित किया। तत्पश्चात भाजपा कार्यकताओं द्वारा आयोजित स्वागत कार्यक्रम में पहुंचे। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया किया तथा एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक रवि शुक्ला, विधायक प्रतिनिधि निशंक त्रिपाठी, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि राकेश पांडेय, मंडल अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल, कृष्ण मोहन शुक्ल, महामंत्री संतोष गौतम, प्रमोद शुक्ल, उमेशपाल, ओम प्रकाश मिश्र चुमानी, आनंद पांडेय, ओमकार नाथ पांडेय, संजीव तिवारी सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीएसएनएल का नेटवर्क ध्वस्त, उपभोक्ता परेशान

अमन लेखनी समाचार/मो. कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। भारत नेपाल सीमा क्षेत्र रूपईडीहा में आए दिन बीएसएनएल का नेटवर्क ध्वस्त रहने से लोग परेशान हैं। रुपईडीहा बीएसएनएल कार्यालय पर कोई भी सरकारी कर्मचारी की तैनाती न होने से समस्या जस की तस बनी रहती है। यहां बिजली जाते ही नेटवर्क चला जाता है। उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले यहां जेनेरेटर की व्यवस्था रहती थी परंतु अब वह भी नजर नही आ रही। एक ओर जहां बीएसएनएल ब्रॉडबैंड, फाइबर और अब बीएसएनएल नेटवर्क पर लोगों का एक-दूसरे से बात तक करना मुश्किल हो गया। लोगों का कहना है कि विभाग के अधिकारियों से कई बार इन समस्याओं की शिकायत की गई, लेकिन कोई इसे गंभीरता से नहीं लेता है। हालत यह है कि आए दिन नेटवर्क की समस्या से आजिज आए ग्राहकों की संख्या भी दिन पर दिन कम होती जा रही है। लोग अब निजी नेटवर्क का सहारा लेने लगे हैं। इस सम्बंध में एसडीओ नफीस कुरैशी से बात करने की कोशिश की गई तो उनका फोन नही उठा।

जन आंदोलन के सर्वोच्च सेनापति थे गणेशमान: मैकूलाल बाल्मीकि

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। नेपालगंज बांके के नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय सदस्य मैकूलाल बाल्मीकि ने कहा है कि नेपाली राजनीति के सर्वोच्च नेता गणेशमान सिंह त्याग और निष्ठा की प्रतिमूर्ति हैं। बाल्मीकि ने कहा कि अगर कांग्रेस लौह पुरुष के नाम से चर्चित पार्टी के संस्थापक नेता सिंह के दिखाए रास्ते पर चल सके तो यह देश के साथ-साथ पार्टी के लिए भी अच्छा होगा।मंगलवार की सुबह नेपालगंज के गणेशमन चौक पर स्वर्गीय सिंह के 26वें स्मृति दिवस पर नेपाली कांग्रेस बांके द्वारा आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष नारायण प्रसाद गौडेल ने कहा कि सिंह 2046 (नेपाली संवत) के प्रथम जन आंदोलन के सर्वोच्च सेनापति थे। उन्होंने कहा कि उन्हें सिंह से सीखना चाहिए कि उन्हें पद का लालच नहीं करना चाहिए और पार्टी बनाने में लग जाना चाहिए। उस समय, राष्ट्रपति गौडेल ने स्वर्गीय सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में नेशनल असेंबली के सदस्य और नेपाली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बांके युवराज शर्मा, पूर्व अध्यक्ष कृष्णमन श्रेष्ठ, दिवंगत सिंह की छोटी बेटी मीता सिंह और अन्य ने दिवंगत सिंह के राजनीतिक व्यक्तित्व पर चर्चा की। पार्टी उपाध्यक्ष गोपाल प्रसाद अधिकारी ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम का संचालन संयुक्त सचिव रेनू सिंह ठाकुर ने किया।

स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। स्वास्थ्य विभाग मुख्य चिकित्सा अधिकारी बहराइच की तरफ से नगर पालिका परिषद में एक स्वास्थ शिविर आयोजित किया गया जिसमें नगर पालिका के अधिकारी/कर्मचारियों की शुगर और ब्लड प्रेशर की जांच की गयी व अन्य सामान्य बीमारियों से ग्रस्त लोगों को दवा वितरित किया गया। टीम में आफाक अहमद व्यवस्था प्रभारी जिला संक्रामक रोग नियंत्रण कक्ष डाक्टर मकबूल हैदर जाफरी बंशीलाल उमेश चंद्र नदं लाल आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम बोली-भगवान राम लला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान रेलवे यात्रियों के लिए करेंगा व्यापक इंतजाम

लखनऊ मंडल की सीनियर डीसीएम रेखा शर्मा पहुंची अयोध्या

अमन लेखनी समाचार

अयोध्या, श्री राम जन्मभूमि परिसर स्थित भव्य मंदिर में भगवान राम लला जनवरी-2023 में विराजमान होंगे। राम नगरी में इस उपलक्ष्य में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मनाया जा रहा है। इस ऐतिहासिक क्षण के गवाह बनने के लिए लाखों की संख्या में भक्त अयोध्या पहुंचेंगे। जिसे देखते हुए रेलवे ने भी तैयारियां शुरू कर दिया है। शनिवार को लखनऊ मंडल की सीनियर डीसीएम रेखा शर्मा अयोध्या पहुंची। अयोध्या धाम व अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन का जिले के आलाधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन में रेलवे के अधिकारियों के समन्वय बैठक किया। रेखा शर्मा ने कहा कि जनवरी में भगवान राम लला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर रेलवे द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई है। इसी क्रम में आज अयोध्या कैंट में समन्वय बैठक की गई। सभी पहलुओं पर मंथन किया गया। अयोध्या धाम व अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर कितने श्रद्धालुओं की भीड़ हो सकती है इसको लेकर विस्तार से चर्चा की गई। दोनों रेलवे स्टेशनों पर भीड़ के फ्लो को देखते हुए रेलवे तैयारियों में जुटेगा। इस दौरान श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। तैयारियों को लेकर रेलवे विभाग जिला प्रशासन और शासन स्तर के अधिकारियों और सभी विभागों से समन्वय बनाकर तैयारी कर रहा है। सीनियर डीसीएम रेखा शर्मा के साथ मंडलायुक्त गौरव दयाल ने पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी नितीश कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरन नय्यर भी उनके साथ अयोध्या जंक्शन और अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर तैयारियों को लेकर चर्चा की। इस दौरान उक्त अधिकारियों द्वारा अयोध्या जंक्शन की नवनिर्मित टर्मिनल बिल्डिंग में यात्रियों हेतु उपलब्ध विश्राम कक्षों, डारमेट्री, फूड कोर्ट, दुकानों, प्रतीक्षालयो, लाकर सुविधा, शौचालय एवं होल्डिंग एरिया आदि का अवलोकन किया तथा टर्मिनल में यात्रियों के बैठने हेतु बैचेंज की संख्या को बढ़ाने, यात्रियों के सामान को सुरक्षित रखने हेतु लाकरों की संख्या बढ़ाने, बड़ी संख्या में आने वाले यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने हेतु पर्याप्त होल्डिंग एरिया की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा यात्रियों के ठहरने हेतु बेड की संख्या और बढ़ाने के लिए रेलवे के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस दौरान रेलवे स्टेशन व उसके आसपास यात्रियों के वाहन पार्किंग हेतु उपलब्ध व्यवस्थाओं एवं भूमियों का भौतिक निरीक्षण किया गया, तथा उपलब्ध भूमियों को समतल कराकर पार्किंग विकसित करने के निर्देश दिये जिससे यात्री अपने वाहन की सुगमता से पार्किंग कर सकें। इसके उपरांत अधिकारियों द्वारा अयोध्या कैंट रेलवे का भी निरीक्षण किया गया।

अवैध रूप से किए गए कब्जे पर चला बुलडोजर

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद फतेहपुर के गाजीपुर अंतर्गत सिमौर रोड में मंगलवार को अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए योगी का बुलडोजर, चल रहा है। बताया जा रहा है की शमशान की भूमि पर पूर्व प्रधानों ने करवाया थाकब्जा ,मकान, कालोनी, शौचालय, खड़ंजा ,पानी पाइप लाइन, आदि, उपलब्ध करवाया था ।दो हजार तेरह में राजस्व विभाग ने मुकदमा भी दर्ज करवाया था, जिसमे दस साल बाद एक्शन हुआ है करीब डेढ़ बीघे शमसान की भूमि पर धान लगा था, उसे भी खाली कराया, गया है एक मकान गिरा दिया गया दूसरा गिराया जा रहा हैं. सेमौर रोड गाजीपुर में तेरह बीघा शमसान की भूमि पर अवैध कब्जा कर मकान बनवाने का मामला है। शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए मौके पर पुलिस प्रशासन मौजूद है।

संक्षेप

भाई के साथ दुकान पर सामान लेने जा रही युवती के साथ छेड़छाड़

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत गीडा थाना क्षेत्र स्थित के ग्राम पंचायत अहिरौली पटखौली में 17 सितंबर की शाम 5 बजे के करीब भाई के साथ दुकान पर सामान लेने जा रही युवती देख कर गावँ के मनबढो ने उसके हाथ से पैसा छिनने की कोशिश करने लगे। विरोध करने पर मनबढो ने उसके साथ अश्लील हरकत करते हुए छेड़छाड़ करना शुरू कर दिया। जब युवती ने विरोध किया तो मनबढ़ भाई बहन दोनो को जातिसूचक गालियां देते हुए मारा पीटा। पीड़िता की मां 18 सितंबर को सुबह 7 बजे प्रधान के घर जा रही थी कि रास्ते मे मनबढो ने उसे घेर लिया। और गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे थे। पीड़िता सरिता पत्नी मार्कण्डेय निवासी अहिरौली थाना गीडा ने आरोपियों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराया है। इस बाबत एसओ रत्नेश पांडेय ने कहा कि मामला दोनो पक्षो में मारपीट का है। जांच कराई जा रही है।

गीडा पुलिस ने अपराध में सक्रिय चल रहे तीन अभियुक्तों की गैंगेस्टर की कार्रवाई

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत गीडा थाना पुलिस ने गैंग बनाकर हत्या करने तथा अपराध की दुनिया सक्रिय रहने वाले तीन अपराधियो पर गैंगेस्टर की कार्रवाई किया है। तीनो अपराधियो के ऊपर कई मुकदमे दर्ज है। सीतांजली पत्नी स्व रामानन्द निवासी मल्हीपुर थाना गीडा के पर हत्या व साजिश करने सहित कई अन्य मुकदमे दर्ज है। बृजमोहन विश्वकर्मा उर्फ झिनक पुत्र राजाराम विश्वकर्मा निवासी रामपुर पांडेय थाना खजनी के ऊपर गीडा थाने में हत्या व साजिश करने तथा गैंगेस्टर का मुकदमा दर्ज है।अभिषेक चौहान पुत्र रूपेश चौहान निवासी रामपुर पांडेय थाना खजनी के ऊपर गीडा थाने हत्या,साजिश और गैंगेस्टर का केस दर्ज है। गैंग का सरगना सीतांजली द्वारा गैंग बना कर अपराध कराया जाता है।

सिविल बार एसोशिएशन के अधिवक्ता 21 सितंबर तक न्यायिक कार्य से रहेंगे विरत

गोरखपुर। सिविल बार एसोसिएशन की एक आवश्यक बैठक मंगलवार को 12 बजे आयोजित की गई जिसमें हापुड़ जिले में शांतिपूर्वक धरना दे रहे अधिवक्ताओं पर पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्व के लाठी चार्ज करने तथा शासन प्रशासन द्वारा दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही न किए जाने से बांसगांव बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि सभी अधिवक्ता गण 21 सितंबर तक न्यायिक कार्यों से विरत रहेंगे। बैठक की अध्यक्षता बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार शुक्ला ने किया और संचालन मंत्री पवन पांडे द्वारा किया गया। बैठक को संबोधित करने वालों में श्रीनिवास भारती एडवोकेट, यशवंत सिंह श्रीनेत एडवोकेट, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र कुमार त्रिपाठी एडवोकेट, मान सिंह एडवोकेट, पूर्व मंत्री कृष्ण मुरारी तिवारी एडवोकेट, पूर्व अध्यक्ष निर्णय कुमार सिंह एडवोकेट, विनोद कुमार सिंह एडवोकेट, अरुण कुमार तिवारी एडवोकेट, गंगाधर पांडेय, जितेंद्र कुमार तिवारी और अष्टभुजा सिंह प्रमुख रहे

जिला पोषण समिति की बैठक संपन्न

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पन्नालाल सभागार, कलेक्ट्रट, उन्नाव में जिला पोषण समिति की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। उक्त बैठक में विभाग द्वारा निर्धारित एजेण्डा जैसे संभव अभियान, लर्निंग लैब के माध्यम से मॉडल रूप में विकसित किये जा रहे 16 आंगनबाड़ी केन्द्र,, नैफेड द्वारा आपूर्ति पोषाहार, एन0आर0एल0एम0 द्वारा उत्पादित पोषाहार, सैम बच्चे के पोषण स्तर में सुधार, कायाकल्प, राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्री/सहायिकाओं को दिये जाने वाले विशेष मानदेय एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों के गोद लिये गये अधिकारियों के भ्रमण के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गयी।संभव अभियान 2023 माह जून 2023 से सितम्बर 2023 तक चल रहा है, उक्त अभियान के अन्तर्गत पोषण एवं स्वास्थ्य प्रबन्धन का कार्य आई0सी0डी0एस0 एवं स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से किया जा रहा है जिसके अन्तर्गत सैम पाये गये बच्चों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा विकसित किए गए ई-कवच पोर्टल पर सैम बच्चों का फालोअप करना तथा उनकी ई-कवच पोर्टल पर फीडिंग किया जाना एवं दवाएं दिलाये जाने के साथ फॉलोअप भी किये जाने के निर्देश दिये गये। प्रत्येक विकास खण्ड से लर्निंग लैब के रूप में विकसित किये जाने हेतु चयनित 1-1 विभागीय आंगनबाड़ी केन्द भवन 16 अव्यस्थापना सुविधाओं से संतृप्त किये जाने हेतु कराये जाने वाले कार्यों को 30 सितम्बर, 2023 से पूर्व करने हेतु सम्बन्धित विकास खण्ड के खण्ड विकास अधिकारियों को जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिये गयें। जिलाधिकारी द्वारा जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को लर्निंग लैब में चयनित 2 आंगनबाड़ी केन्द्रों को गोद लेते हुए अपनी निगरानी में कार्य कराने के निर्देश दिये। गोद लिए गये अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सम्भव अभियान चल रहा है गोद लिए केन्द्रों का निरीक्षण कर लें तथा वहॉ के सैम बच्चों की स्वास्थ्य में कोई कमी हो तो सम्बन्धित विभाग से बात करते हुए कमी को पूर्ण करा लें। लर्निंग लैब के अन्तर्गत चयनित आंगनबाड़ी केन्द्रों के सम्बन्ध में जिला कायाकल्प कराये जाने हेतु सभी जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सम्बन्धित ग्राम प्रधान से बात करते हुए समय से केन्द्र का कायाकल्प करायें।पोषण ट्रैकर (मीजरिंग इफीसिएन्सी) की फीडिंग में जनपद-उन्नाव विगत कई माहों से लागातार नम्बर एक बना हुआ है बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित समिति के अन्य सदस्य एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी/चिकित्सा अधीक्षक, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारियों, यूनीसेफ एवं टी0एस0यू0 के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

महिला का पर्स छीनकर युवक हुए रफूचक्कर

खागा, फतेहपुर। जनपद के खागा तहसील परिसर में चतुर्थ श्रेणी पद पर कार्यरत महिला सुधा देवी पत्नी अरविंद सिंह निवासी विजय नगर कोतवाली खागा के हाथ से दो युवकों ने पर्स खींच भाग खड़े हुए महिला ने नजदीकी थाना कोतवाली खागा में लिखित तहरीर देते हुए उप जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई वहीं महिला ने बताया कि वह कल मंगलवार प्रात लगभग 9:50 पर कस्बे के कमला बालिका विद्यालय के पास थी जहां कुछ दूर पर दो लड़के आपस में बात कर रहे थे अचानक महिला के पास आए और पर्स खींच कर भाग खड़े हुए महिला शोर मचाती रही परंतु किसी ने भी पीड़िता की आवाज नहीं सुनी अरदास लगाते हुए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महिला ने बताया कि पर्स में एक मोबाइल फोन के साथ 5 ग्राम वजन के सोने के बाले सोने के 10 दानों से बना एक माला हाथ की सोने की चार चूड़ी तथा 40 रुपये नगद मौजूद थे उप जिला अधिकारी खागा ने थाना अध्यक्ष खागा को तत्काल निराकरण के लिए आदेशित किया वही संज्ञान में लेते ही प्रशासन ने जांच प्रारंभ कर दी है

पति को फांसी के फंदे पर लटका देख पत्नी छत से नीचे कूदी, घायल पति की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के अब्बासबाग मोहल्ला में सोमवार देर रात युवक का शव फंदे से लटका देख पत्नी छज्जे से कूद गई। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई, पडोस के लोगों ने उसे आनन फानन जिला अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड पहुंचाया। इलाज के बाद हालत में सुधार होने पर परिजन उसे मायके लेकर चले गए। उधर डाक्टर ने पति को मृतक घोषित कर दिया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद षव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के अब्बासबाग के रहने वाले अभिषेक सिंह 30 पुत्र बब्बूसिंह कानपुर के जनरलगंज स्थित सराफा दुकान में काम करता था। सोहरामऊ थाना क्षेत्र के आषाखेडा गांव की रहने वाली 25 वर्षीय लक्ष्मी से तीन माह पहले उसका विवाह हुआ था। बताया जाता है कि सोमवार रात कानपुर में डियूटी करने के बाद अभिषेक घर पहुंचा। चचेरे भाई कुंवर के मुताबिक घर पहुंचने पर किसी बात को लेकर पति पत्नी में विवाद शुरू हो गया। विवाद के दौरान गुस्से में युवक ने कमरे का दरवाजा बंद कर साडी का फंदा बनाकर पंखे से लटक गया। पत्नी लक्ष्मी ने पति का शव फांसी पर लटका देख उसके मुंह से चीख निकल गई। आवेष में आकर लक्ष्मी घर के बाहर बने छज्जे से छलांग लगा दी। जिससे वह गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गई। जानकारी होते ही परिजन व पडोस के रहने वाले रजत आनन फानन दंपति को लेकर जिला अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड लेकर पहुंचे जहां डाक्टर आषीष ने पति अभिषेक को मृत घोषित कर दिया। पत्नी लक्ष्मी की इलाज के बाद हालत में सुधार होने पर मायके वाले साथ लेकर चले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पीएम रिर्पोट में हैगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई है।

समूह की महिलाओ ने मत्यस्य पट्टा निरस्त करने के लिए किया प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा तहसील अंतर्गत क्षेत्र स्थित के ग्राम पंचायत भरसाड की जय माता सहायता समूह महिलाओ ने मत्यस्य पट्टा निरस्त करने के लिए तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। और एक ज्ञापन तहसीलदार सहजनवा राकेश कन्नौजिया को सौपा। महिलाओ का नेतृत्व कर रही इंद्रासनी ने कहा कि सरकार समूह की महिलाओ को रोजगार दिलाने के लिए ऋण दे रही है। गाँव मे आराजी नम्बर 1316 पोखरे के नाम से दर्ज है। ग्राम प्रधान के लिखित आदेश मिलने पर समूह की महिलाओ ने बैंक से ऋण लेकर दो वर्ष से करीब 80 हजार रुपये के मछली के बच्चो को डाल चुकी है। लेकिन 8 सितंबर को तहसील प्रशासन ने पोखरी का पट्टा किसी के नाम से कर दिया है। मांग है कि जनहित को देखते हुए जो पट्टा किया गया है। उसे निरस्त किया जाय। या जो खर्च हुआ है। उसे दिलाया जाय। तहसीलदार राकेश कन्नौजिया ने कहा कि मामला संज्ञान में है। शासनादेश की जानकारी करने के बाद जो भी आदेश होगा पालन कराया जायेगा। इस दौरान किरण, मनभावती, रीना देवी, हेमलता, किरण, सावित्री, मीना, लालमती, कालिंदी, रम्भा मौजूद थी।

स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम को जिलाधिकारी ने दी हरी झंडी

शपथ ग्रहण के साथ कलेक्ट्रेट में अधिकारियों ने अभियान का उठाया बेड़ा

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद की जिलाधिकारी श्रुति शर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़े को लेकर बैठक संपन्न की बैठक के दौरान उपस्थित सभी विभागों के प्रमुख अधिकारियों ने स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े को लेकर साफ-सफाई के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए शपथ खाई मिली जानकारी के अनुसार इस अभियान के अंतर्गत घरेलू पूरा कचरा एक स्थाई पात्र में डालने के लिए नागरिकों को जागरूक करना है जिसमें गीला तथा सूखा पूरा कचरा अलग-अलग रखे हुए पात्रों में डाला जाए यह आम जनमानस को जागरूक करने के लिए स्वच्छता रथ एवं ई रिक्शा के माध्यम से जानकारी प्रदान की जाएगी स्वच्छता रथ रवाना किया गया जिसमें जिलाधिकारी ने हरी झंडी देते हुए कार्यक्रम को गति प्रदान की वही कलेक्ट परिसर में साफ सफाई हेतु श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन करना तथा प्रतिवर्ष 100 घंटे कार्य करने के लिए अधिकारियों को जिला अधिकारी ने शपथ दिलाई इस मौके पर जिलाधिकारी के साथ जिला विकास अधिकारी प्रमोद सिंह चंद्रौल जिला परियोजना निदेशक शेष मणि सिंह जिला पंचायत राज अधिकारी उपेंद्र राज सिंह किरण वर्मा विश्वनाथ तिवारी सुनील द्विवेदी रामशंकर वर्मा आदि उपस्थित रहे

महायोगी गोरखनाथ विवि में मनाया गया गणपति महोत्सव

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय एवं दीप्तिमान संस्कृति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को गणपति महोत्सव मनाया गया। महोत्सव में सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने दीप प्रज्ज्वलित कर गणपति बप्पा की पूजा एवं आराधना की। उन्होंने सभी को गणपति बप्पा महोत्सव मनाने का महत्व बताते हुए ईश्वर के प्रति सदा भक्तिभाव रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. पवन कुमार कन्नौजिया, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. अनुपमा ओझा, सुश्री प्रभा शर्मा, अपूर्वा आनंद सिंह सहित विभाग के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे। इस महोत्सव में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा गणपति बप्पा पर केंद्रित कलाकृतियों को प्रांगण में सजाया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया।

अमृत कलश के साथ ब्लॉक प्रमुख विधायक ने निकाली शोभायात्रा

भव्य शोभा यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ छठवां राष्ट्रीय पोषण अभियान

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली ब्लाक मुख्यालय से मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत भव्य शोभायात्रा निकाली गई कार्यक्रम में पहुंचे क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र सिंह पटेल एवं ब्लाक प्रमुख सुशीला सिंह खंड शिक्षा अधिकारी कुंवर सिंह कमल खंड विकास अधिकारी विपुल विक्रम सिंह चौहान के साथ भारी संख्या में क्षेत्रीय पुरुष महिला नागरिकों ने इस यात्रा में शिरकत प्रदान की शोभा यात्रा के पश्चात विकासखंड परिसर में बाल विकास पुष्टाहार विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं की गोद भराई तथा नौनिहाल बच्चों को अन्नप्राशन संस्कार कराया गया वही मुख्यालय परिसर में दिव्यांगों को सम्मानित कर मुख्यमंत्री आवास योजना से लाभान्वित होने वाले ग्रामीणों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए मिली जानकारी के अनुसार कुल 93 लाभार्थियों को आवास प्रमाण पत्र मिले वही दो महिलाओं की गोद भराई का कार्यक्रम संपन्न हुआ कार्यक्रम का मंचीय संचालन शिक्षक उमेश त्रिवेदी द्वारा किया

गया ब्लॉक परिसर में अन्य कार्यक्रमों के साथ आयोजित बाल विकास पुष्टाहार विभाग का नेतृत्व कर रहे हैं सीडीपीओ अजय सिंह के तत्वावधान में पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ इस मौके पर मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला मंत्री कुंवर साहब सिंह गौतम अमौली मंडल अध्यक्ष संतोष गुप्ता ग्राम प्रधान शिव कुमारी सोनकर सिया देवी सुपरवाइजर अंजू उत्तम मीरा निगम श्रीकांत उत्तम आर्य कुमार पांडे एवं अमौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर पुष्कर कटियार के साथ दर्जनों की संख्या में विशिष्ट अतिथि एवं भारी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे आए हुए सभी गणमान्य अतिथियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों का कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक खंड विकास अधिकारी विपुल विक्रम सिंह चौहान ने आभार व्यक्त कियो

दिव्यांगों को वितरित किया गया सीएम आवास स्वीकृति पत्र

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत विकासखंड पिपरौली ब्लाक सभागार में प्रमुख दिलीप कुमार यादव व बीडीओ बृजेश यादव ने क्षेत्र के तीन दिव्यागो को सीएम आवास वितरित किया।सरकार द्वारा आम जन के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं को संचालित कर रही है। जिसका लाभ समाज के हर तबके को मिल रहा है। मंगलवार को पिपरौली ब्लाक सभागार में ब्लाक प्रमुख दिलीप कुमार यादव व बीडीओ बृजेश यादव ने क्षेत्र के तीन दिव्यांगों को सीएम आवास योजना के तहत सीएम आवास का स्वीकृति पत्र वितरित किया। जिसमे एससी, ओबीसी, सामान्य के लाभार्थियों को शामिल किया गया है। तीनो लाभार्थियों को स्वीकृत पत्र वितरित करने के बाद उनके बैंक खाते में डिजिटल के माध्यम पहली किस्त भी भेजी गयी। इस दौरान ब्लाक प्रमुख दिलीप यादव ने कहा कि सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग को मिल रहा है। इसके अलावा कई ऐसी योजनाएं संचालित है जो बिना किसी भेदभाव के हर समाज के लोग लाभ उठा रहे। इस दौरान एडीओ पंचायत अरविंद सिंह, एडीओ आईएसबी संजय दुबे सहित अनेक लोग मौजूद थे।

गड्ढा मुक्त सड़क होने के बाट जोह रहा है कसिहार से मलावं की सड़क

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। राष्ट्रीय राज मार्ग गोरखपुर से वाराणसी जाने वाली सड़क से मात्र तीन किलोमीटर की दूरी कसिहार से मलावं तक जाने वाली सड़क की पहचान गड्ढा मुक्त नहीं गड्ढा युक्त सड़क की बन गई है।जिस पर चलने वालो के जान का खतरा हमेशा बना हुआ है । प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित कसिहार से मलावं तक जाने वाली सड़क की कुल दूरी मात्र तीन किलोमीटर है जो चंना घाट से लेकर गोरखपुर तक की दूरी तय करती है, जिसके अंतर्गत सैकड़ो गांव आते हैं।

जिस पर हजारों लोग रोजाना आते जाते करते हैं। चूंकि यह रास्ता नजदीक होने के कारण कौड़ीराम क्षेत्र से लेकर दूसरे क्षेत्रों के लोग जिन्हें इस रास्ते गोरखपुर जाना होता है वे रोजाना सफर करते हैं । किंतु कसिहार से लेकर मलावं तक तीन किलोमीटर की सड़क इतनी दयनीय और जर्जर स्थिति में है कि उस पर चल पाना ही मुश्किल है। जिधर देखिए उधर गड्ढे ही गड्ढे और गढ्ढों में लगे हुए पानी और कीचड़ से राहगीरों एवं वाहनों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इस रास्ते से गुजरने वाले अब तक जाने कितने लोग चोटिल हो चुके हैं । क्षेत्र में बराबर आने वाले विधायक और सांसद की उदासीनता के कारण यह सड़क उपेक्षित हो चुकी है। इतना ही नहीं इससे सटे राष्ट्रीय राजमार्ग से तमाम अधिकारी, मंत्री, विधायक सांसद लोगों का बराबर आना-जाना लगा रहता है लेकिन किसी भी अधिकारी की नजर इस पर नहीं पड़ती । देखना होगा मुख्यमंत्री के गड्ढा मुक्त सड़कों की योजना को कब तक असली जामा पहनाया जाता है ताकि इस क्षेत्र की जनता को राहत मिल सके।

बलरामपुर के डीएम अरविन्द सिंह ने लिया एक्शन

- समाधान दिवस पर नहीं हुए उपस्थित, तो 4 आलाधिकारियों का रोका वेतन

अमन लेखनी समाचार

बलरामपुर, बलरामपुर की तहसील तुलसीपुर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी अरविन्द सिंह ने उपस्थित फरियादियों की शिकायतें सुनी गयी। जिलाधिकारी ने लापरवाही बरतने वाले जिले के 4 आलाधिकारियों के एक दिन का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने गत संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त समस्याओं के निस्तारण रजिस्टर का परीक्षण करते हुए निस्तारण आख्या को देखा। उन्होंने उप जिलाधिकारी व तहसीलदार तुलसीपुर को निर्देश दिए कि जिन समस्याओं का निस्तारण किया जा रहा है उसका सत्यापन भी करते रहे। उन्होंने यह भी कहा कि समस्या के निस्तारण से समस्याग्रस्त व्यक्ति को भी अवगत कराया जाए ताकि वह समस्या से पीड़ित व्यक्ति अपने समस्या के निस्तारण से संतुष्ट हो सके। उन्होंने उपजिलाधिकारी तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी से कहा कि जो भूमि संबंधी मामले हैं उसमें राजस्व, चकबंदी तथा पुलिस की संयुक्त टीम गठित करके मौके पर भेजकर निस्तारण कराएं। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल के सन्दर्भ का शासन स्तर एवं जिला स्तर पर निगरानी की जा रही है, इसलिये सभी जिला स्तरीय अधिकारी अपने-अपने पोर्टल पर प्राप्त हुये सन्दर्भों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराएं। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान अनुपस्थित 04 अधिकारियों जिसमें अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता जल निगम, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी, सहायक ग्रामीण अभियन्त्रण अधिकारी का स्पष्टीकरण व एक दिवस का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने का निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिया गया।

एक किलो दो सौ ग्राम गांजा के साथ एक आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार/निर्मित द्विवेदी

बिंदकी, फतेहपुर। जनपद फतेहपुर के कोतवाली बिंदकी क्षेत्र के शहजादीपुर नहर पुल के पास मंगलवार की सुबह करीब 10:00 बजे मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने अफसर उर्फ पप्पू 36 वर्ष पुत्र विद्दू निवासी ग्राम कोरवा कोतवाली बिंदकी जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर लिया जिसके पास से 1 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद हुआ इस मामले में जोनीहा चौकी इंचार्ज रविकांत ने बताया आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करके न्यायालय भेज दिया गया।

सोनभद्र में निकला 6 फीट का मगरमच्छ

- वन विभाग ने कई घंटों की मशक्कत के बाद किया रेस्क्यू, मुक्खा फाल जलाशय में छोड़ा गया

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र, सोनभद्र के भैंसवार गांव में खदरहवा बस्ती के तालाब में मगरमच्छ दिखने पर हंडकप मच गया। स्थानीय लोगों ने वन विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंचे वन विभाग के कर्मचारियों ने रेस्क्यू कर मगरमच्छ को पकड़कर मुक्खा फाल जलाशय मे छोड़ दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घोरावल कोतवाली क्षेत्र के भैंसवार गाव के खदरहवा बस्ती में शनिवार की दोपहर में त्रिभुवन चौहान पुत्र शिवनाथ चौहान के घर के समीप तालाब में कुछ ग्रामीणों द्वारा 6 फिट का विशालकाय मगरमच्छ को देखा गया, बस्ती के अन्दर तालाब में मगरमच्छ दिखाई देने से ग्रामीणो में दहशत था। ग्रामीणों ने इसकी सूचना क्षेत्रीय वनाधिकारी घोरावल को दी। क्षेत्रीय वनाधिकारी सुरजू प्रसाद के निर्देश पर वन विभाग के वन्य जीव रक्षक अभिलाष वर्मा, वनकर्मी ओमप्रकाश विश्वकर्मा, अंगद व ओ पी पाल की टीम तत्काल भैंसवार गांव के खदरहवा बस्ती में पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद करीब एक घंटे बाद मगरमच्छ को पकड़कर शाम करीब तीन बजे मुक्खा स्थित जलाशय में छोड़ दिया गया।

खास समाचार

गाजे-बाजे के साथ हुई गजानन की स्थापना

अमन लेखनी समाचार

बकेवर, फतेहपुर। क्षेत्र में गणेश चतुर्थी पर भगवान गजानन कई घरों व विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर विराजमान किये जा रहे है।इसीक्रम में क्षेत्र के हरदासपुर गांव में सिद्धेश्वरी धाम पर गणेश जी की मूर्ति स्थापित की गयी है,जहाँ श्रद्धालुओं के द्वारा मंगलवार को पूजा अर्चना के बाद मंत्रोच्चारण और गणेश स्तुति कर मूर्ति स्थापना कराई जाएगी। उस स्थान को बिजली की झालरों व अन्य सामान के साथ ही गणपति बप्पा के उद्घोषों के साथ बप्पा को फूलों से सजाया गया है। आयोजकों का कहना है कि इस दस दिवसीय कार्यक्रम में प्रतिदिन शाम को भजन कीर्तन के अलावा रात्रि आरती का आयोजन होगा और 29 सितंबर को गाजे-बाजे के साथ मूर्ति की शोभा यात्रा निकालकर विसर्जन किया जाएगा।कार्यक्रम के आयोजकों में हर्ष शुक्ला, मयंक शुक्ला, आशुतोष , निखिल , सुधाकर शुक्ला, प्रिंस दिक्षित, पूर्व प्रधान संतोष शुक्ला, राजकुमार कुशवाहा आदि लोग शामिल रहे।

मां की पुण्यतिथि पर सचिव ने दो व्हील चेयर खरीदकर सीएचसी को दान

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज कस्बा निवासी ग्राम पंचायत अधिकारी साधना रावत ने मगंलवार को अपनी मां तारा देवी की पुण्यतिथि पर दो व्हीलचेयर खरीदकर सीएचसी मोहनलालगंज को जनकल्याण के लिये दान की।जिससे अस्पताल में आने वाले मरीजो को दिक्कतो से बचाया जा सके जो किसी तरह से चल नही सकते हैं।ग्राम विकास अधिकारी साधना रावत ने बताया पुण्यतिथि पर अपनी मां की याद में अपने पिता ओम प्रकाश रावत व परिजनो के साथ मोहनलालगंज सीएचसी पहुंचकर अधीक्षक डा० अशोक कुमार को मरीजो की सहायता के लिये खरीदी गयी दो व्हीलचेयर उन्हे सौपी।सीएचसी अधीक्षक डा० अशोक कुमार ने व्हील चेयर दान को अच्छा कार्य बताते हुये ग्राम विकास अधिकारी साधन रावत समेत उनके परिवार को धन्यवाद दिया।

युवक ने नाम बदलकर छात्रा को प्रेम जाल में फंसाया,लेकर हुआ चपंत

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गाँव की कक्षा दस की छात्रा को युवक ने नाम बदलकर अपने प्रेम जाल मे फंसाने के बाद बहला-फुसलाकर अपने साथ लेकर चपंत हो गया,देर शाम तक छात्रा के घर ना पहुंचने पर परिजनो ने तलाश शुरू की लेकिन लापता छात्रा का कुछ भी पता नही चल सका।जिसने बाद पीड़ित पिता ने पुलिस को तहरीर देकर युवक के विरूद्ध बेटी को अगवा करने का मुकदमा दर्ज कराया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार? मोहनलालगंज के एक गाँव मे बाराबंकी से आए युवक ने छात्रा को अपना अमन नाम बताकर प्रेम जाल मे फसाने के बाद रविवार की सुबह छात्रा को बहला फुसलाकर साथ लेकर चला गया।बेटी को घर से गायब पाकर पिता ने उसकी तलाश की कुछ पता न चलने पर पीड़ित पिता ने अमन के विरूद्ध पुलिस को कार्यवाही के लिये तहरीर दी है।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पीड़ित पिता की तहरीर पर आरोपी के विरूद्ध बेटी को अगवा करने की धारा में मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गयी है।

लेखपाल से अभद्रता करने पर पूर्व प्रधान समेत दो के खिलाफ मुकदमा

तिलोई,अमेठी। ग्राम पंचायत जियापुर में सरकार की सुरक्षित भूमि पर अवैध निर्माण रोकने के दौरान लेखपाल से की गई अभद्रता के आरोप में पूर्व ग्राम प्रधान समेत दो लोग पर पुलिस ने एसडीएम के निर्देश पर मुकदमा दर्ज कर लिया हैं। सोमवार को सरकारी अभिलेखों में खलिहान के नाम अंकित गाटा संख्या 702 पर गांव निवासी उममान उल्ला द्वारा अवैध रूप से निर्माण कराया जा रहा था।जानकारी होने पर हल्का लेखपाल सुदर्शन बौद्ध मौके पर पहुंचे और निर्माण को सरकारी भूमि का हवाला देते हुए कार्य बंद कर कब्जा हटा लेने की बात कही गई। जो उसे नागवार गुजरी। उसने पूरे मामले की जानकारी पूर्व ग्राम प्रधान रेहान को दे दी। लेखपाल का आरोप है कि वापस वहां से आते समय पूर्व प्रधान रेहान उसे रास्ते पर रोक कर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली गलौज करने लगें और जानमाल की धमकी दी। पीड़ित लेखपाल ने पूरे घटनाक्रम की लिखित शिकायत एसडीएम तिलोई दिग्विजय सिंह करके कार्यवाही की मांग की थी। मंगलवार को एसडीएम के निर्देश पर पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष कंचन सिंह ने बताया कि जांच कर शीघ्र आरोपितों पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दलित किशोरी के साथ दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

शुकुल बाजार,अमेठी। थाना क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिग दलित किशोरी के साथ दुष्कर्म के मामले में मंगलवार को एक आरोपी को गिरफ्तार कर चालान कर दिया गया।बाजारशुकुल थाने के एक गांव निवासी व्यक्ति बीते सोमवार की रात घर के सामने से किशोरी को जबरन बाइक से बैठा कर अपनी बेकरी की दुकान ले गया। दुकान में अपने तीन अन्य साथियों के साथ दुष्कर्म किया। इधर, परिजन रात भर नाबालिग की तलाश करते रहे। मंगलवार की सुबह बाइक से नाबालिग को घर छोड़ने लाया। उसके अन्य साथी भी आ गए। उन्होंने परिजनों को पैसा लेकर चुप रहने की बात कहते हुए केस दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी दी।युवती अपने घर पहुंची और स्वजन को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने पीड़िता के मां की तहरीर पर इरफान व उसके तीन साथियों पर दलित उत्पीड़न ,दुष्कर्म पाक्सो एक्ट समेत कई धाराओं केस दर्ज किया।केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने नाबालिग का मेडिकल परीक्षण कराकर मामले की जांच व आरोपियों की तलाश में जुटी थी। मंगलवार को थानाध्यक्ष अवनीश कुमार चौहान ने बताया कि फरार चल रहे दुष्कर्म का मुख्य आरोपी इरफान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

तेतारपुर गॉव के नटपुरवा में 16 परिवारों के 17 बच्चों का किया गया टीकाकरण

अमेठी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ0 अंशुमान सिंह ने अवगत कराया है कि मुख्य विकास अधिकारी, अमेठी द्वारा ब्लाक स्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों को दिये गये निदेर्शों के क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बाजार शुकुल के अन्तर्गत उपकेन्द्र बरसण्डा के तेतारपुर ग्राम के नटपुरवा में टीकाकरण से इन्कार करने वाले (वाई0ए0बी0) परिवारों को समझाते हुए 16 परिवारों के 17 बच्चों का टीकाकरण कराया गया। इस सम्बन्ध में उन्होंने बताया कि उक्त कार्य में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, बी0पी0एम0, बी0सी0पी0एम0, सी0एच0ओ0, ए0एन0एम0, आंगनबाड़ी, आशा, एस0एम0ओ0 (डब्लू0एच0ओ0), डी0एम0सी0 (यूनीसेफ), सहायक विकास अधिकारी(पंचायत) एवं ग्राम प्रधान द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

खेत के पास अचेत अवस्था में मिले गार्ड की हुई मौत

शाहगढ़,अमेठी। खेत के पास गार्ड अचेत अवस्था में मिला, जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत्यु घोषित कर दिया। गौरतलब हो कि अनिल कुमार शर्मा पुत्र विजय बहादुर शर्मा उम्र 45 वर्ष वासी गंगागंज, पनकी, कानपुर आर्डिनेंस फैक्ट्री कोरवा में बतौर सिक्योरिटी गार्ड तैनात हैं, सोमवार दोपहर बाद बाइक से मुंशीगंज कोतवाली के अमेठी मुसाफिरखाना रोड पर गुलाल ड्रेन पुल के करीब खेत में अचेत अवस्था में दिखाई दिया।

बदइंतजामी का शिकार हो रहा है राजकीय यूनानी अस्पताल

अमन लेखनी समाचार

मुसाफिरखाना , अमेठी। स्थानीय कस्बा स्थित नवनिर्मित राजकीय यूनानी अस्पताल बदइंतजामी का शिकार हो रहा है।हालत यह है कि अस्पताल आने जाने वाले मरीजों व तीमारदारो को तीन तीन फुट गहरे पानी में घुसकर हॉस्पिटल तक पहुंचना पड़ता है।और वही डाक्टर व स्टाफ को अस्पताल परिसर के पीछे बाउंड्री वॉल पर सीढी लगाकर अंदर आना जाना पड़ रहा है। केंद्रीय मंत्री व स्थानीय सांसद स्मृति ईरानी के संसदीय क्षेत्र वीवीआइपी क्षेत्रों में शुमार होता है। बीते वर्षों में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने अति महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत मुसाफिरखाना कस्बे में रेलवे स्टेशन के उत्तर दिशा में राजकीय यूनानी अस्पताल का निर्माण कराया है।15 बेड वाले अस्पताल में विभागीय स्तर पर जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं।चिकित्सा अधिकारी डॉ मधुवन किशोर शासन की मंशा के अनुरूप हॉस्पिटल में प्रतिदिन मरीजों का बेहतर इलाज करते रहते हैं।इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज हॉस्पिटल पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।किंतु हॉस्पिटल पहुंचने के लिए एक अदद सड़क की दरकार अभी भी कायम है।बारिश की शुरूवात के साथ ही अस्पताल पहुंचने के लिए कोई मार्ग नहीं है।मुख्य गेट के सामने अतिक्रमण के साथ ही जलभराव लगातार बना हुआ है।विकल्प के तौर पर लोगों को अस्पताल आने जाने के लिए तीन फुट गहरे पानी से गुजर कर जाना पड रहा है।और वही डाक्टर सहित स्टाफ परिसर की पीछे बनी बाउंड्री वॉल को सीढी के सहारे फांदकर आने जाने को मजबूर हैं।चिकित्साधिकारी डाक्टर मधुवन किशोर बताते हैं कि पिछले कुछ महीनों से मुख्य रास्ते से आवागमन बंद है। उच्च अधिकारियों से शिकायत क बाद भी कोई हल नहीं निकला। वही क्षेत्रीय लोग मरीज व तीमारदारो ने भी शासन प्रशासन से सड़क बनवाने की मांग की है। वही यूनानी आयुर्वेद अधिकारी अनिता गुप्ता का कहना है कि इसके संदर्भ में मैंने वहां के चिकित्सा प्रभारी से वार्ता किया है उन्होंने बताया कि मैंने कई बार उच्च अधिकारियों के संज्ञान में डाला है और वहां पर मरीजों की संख्या भी ज्यादा है बरसात होने के चलते लोगों को अस्पताल पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।हम भी यही चाहते हैं कि रोड बन जाय जिससे लोगों की दिक्कतें खत्म हो जाय।

राजस्व टीम को जांच में सरकारी जमीन पर नही मिला अवैध कब्जा

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र के शेरपुर लवल गांव में आत्मदाह का प्रयास करने वाले युवक रामविनय सिहं ने हाइवे किनारे स्थित सरकारी जमीन पर राजेन्द्र सिहं निवासी करनपुर थाना निगोहां पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुये शनिवार को सम्पूर्ण ?समाधान दिवस में शिकायत की थी. तहसील प्रशासन पर कोई कार्यवाही ना करने का आरोप लगाते हुये बीते रविवार की शाम शिकायकर्ता रामविनय ने अपने घर पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया था लेकिन परिजनो की सक्रियता से उसकी जान बच गयी थी ओर झुलसे रामविनय को इलाज के लिये निजी अस्पताल में भर्ती कराया था।एसडीएम हनुमान प्रसाद मौर्य ने पूरे मामले को गम्भीरता से लेते हुये चकबंदी,राजस्व समेत पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर बीते सोमवार को जांच के लिये मौके पर भेजी थी,जांच के दौरान जिस सरकारी जमीन पर शिकायतकर्ता ने अवैध कब्जे का आरोप लगाया वो पुरी तरह खाली मिली,जिसके बाद चकबंदी व हल्का लेखपाल ने गांटा स०-851क दर्ज बंजर भूमि की प्रधान व पूर्व प्रधान समेत ग्रामीणो की मौजूदगी में पैमाईश कर प्रधान प्रतिनिधि के सुपुर्द किया। एसडीएम हनुमान प्रसाद मौर्य ने बताया शिकायतकर्ता राम विनय सिहं ने गांटा स०-851क जो कि सरकारी अभिलेखो में बंजर दर्ज है पर राजेन्द्र सिहं पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया था,राजस्व टीम की जांच में सरकारी जमीन पर किसी भी तरह का कोई कब्जा नही पाया,उक्त जमीन पर तीन पेड़ लगे हुये थे।जांच के बाद लिखापढी के बाद सरकारी जमीन को लि प्रधान के सुपुर्द कर दिया गया।

स्मृति की पहल किसानों का जत्था गौरीगंज से काशी रवाना

- खेती-किसानी के प्रशिक्षण का सभी किसानों को मिलेगा लाभ

अमन लेखनी समाचार

अमेठी । केंद्रीय महिला एवं बाल विकास, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री व अमेठी सांसद स्मृति इरानी अपने संसदीय क्षेत्र के किसानों को खेती-किसानी की नई तकनीकी जानकारी मुहैया करवाने के लिए काशी की यात्रा पर भेज रही हैं। मंगलवार को गौरीगंज स्थित सांसद के कैंप कार्यालय से बस द्वारा किसानों का जत्था काशी के लिए रवाना हुआ। केंद्रीय मंत्री के प्रतिनिधि विजय गुप्ता ने स्थानीय नेताओं के साथ झंडी दिखाकर सुबह साढ़े 10 बजे गौरीगंज के किसानों से भरी बस को काशी के लिए रवाना किया। इससे पहले काशी जाने वाले किसानों को सम्मानित भी किया। सलोन, जगदीशपुर व अमेठी के किसान पहले ही काशी भ्रमण कर चुके हैं। काशी में किसानों को प्राकृतिक खेती, पशुपालन, मत्स्य पालन के साथ ही खेती किसानी की नई-नई तकनीकी का प्रशिक्षण दिलवाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री के प्रतिनिधि विजय गुप्ता ने बताया कि दीदी अपने संसदीय क्षेत्र के किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। वह अपनी अमेठी को हर क्षेत्र में विकसित बनाने के लिए काम कर रही हैं। किसानों को काशी में मिलने वाले प्रशिक्षण का लाभ, वापस आकर अपने गांव के दूसरे किसानों से साझा करेंगे। ऐसे में प्रशिक्षण का लाभ सभी किसानों को मिलेगा और उनकी खेती नई तकनीकी से और बेहतर होगी। वहीं सांसद प्रतिनिधि ने अमेठी ब्लाक मुख्यालय पर 37 ऐसे लोगों को आवास का प्रमाण पत्र सौंपा। जो दिव्यांग थे या फिर कन्हीं कारणों से घर से बेघर हो गए थे।

कुशल कर्म करो, अकुशल कर्मों के भागीदार न बनो यही बौद्ध जीवन मार्ग - भंते शीलवंत

अमन लेखनी समाचार

अमेठी। सिरमौर बुद्ध विहार सोइया गंगौली में आठ दिवसीय वर्षा वास कार्यक्रम का समापन मंगलवार को भंडारे के साथ हुआ। आठवें दिन धम्मदेशना भगवान बुद्ध की ओर से संघ निर्माण और धम्मचक्रप्रवर्तन पर केंद्रित रही। समापन के दिन आयोजित धम्म सभा में वक्ताओं ने बुद्ध विहार के विकास को तन , मन, धन से सहयोग देने पर जोर दिया। उपासकों को सम्यक आजीविका से अर्जित धन का अपव्यय करने के बजाय परिवार की प्रगति और बच्चों की अच्छी शिक्षा पर खर्च करने को प्रेरित किया गया।

बौद्ध भिक्षु भंते शीलवंत ने कहा कि बाबा साहब डॉ अम्बेडकर ने अश्पृश्यता, पाखंड और धार्मिक अन्धविश्वास का समाज से निवारण करके तथागत बुद्ध की शरण में जाने के संदेश दिए।कुशल कर्म करो, अकुशल कर्मों में भागीदार न बनो ,यही बौद्ध जीवन मार्ग है।

भंते धम्मदीप ने कहा कि तथागत बुद्ध ने अपने संघ में छोटे बड़े सब को सबको प्रवज्या प्रदान की।शाक्य वंश के राजकुमारों? को प्रवज्या प्रदान करने के पहले तथागत बुद्ध ने उपाधि नाई को दीक्षित करके संघ में शामिल किया।

समापन कार्यक्रम का आरम्भ सामूहिक त्रिसरण, पंचशील के साथ हुआ। बौद्धाचार्यों ने भगवान बुद्ध और उनका धम्म विषय पर विस्तार से संवाद किया। वरिष्ठ पत्रकार और बुद्ध विहार कमेटी के वरिष्ठ सदस्य संजीव भारती ने महाकारुणिक तथागत बुद्ध के धम्मचक्रप्रवर्तन और चारिका की घटनाओं का उल्लेख किया और कहा कि प्रज्ञा और करुणा का अनूठा मिश्रण ही तथागत का धम्म है।

संजय कुमार ने बुद्ध विहार कमेटी के साथ सहयोगियों और अतिथियों का परिचय कराया और बुद्ध विहार के विकास में सहयोग करने वाले धम्म बंधुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

समापन कार्यक्रम का संचालन बुद्ध विहार कमेटी के सचिव राम फल फौजी, कोषाध्यक्ष राम टहल बौद्ध और बौद्धाचार्य राम प्रताप बौद्ध ने किया।

भंते प्रज्ञा मित्र , भंते त्रिरत्न, भंते बुद्ध वंश , भंते गौतम प्रकाश ने तथागत के धम्म को वैज्ञानिक धर्म की संज्ञा दी और मानवता के कल्याण के लिए पंचशील ध्वज का परचम लहराने का संदेश दिया। लोक कलाकार रामकिशोर रसीला, श्वेता बौद्ध और सपना बौद्ध ने अम्बेडकर मिशन आधारित सुमधुर गीत प्रस्तुत किए।

समापन समारोह में मौजूद प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता -गुड्डा देवी कोरी, नागेश्वर बौद्ध, त्रिभुवन यादव,हौसिला प्रसाद, जियालाल बौद्ध, राजीव बौद्ध,सियाराम अवकाश प्राप्त प्रशासनिक अधिकारी, रामदेव, राजेश कोरी, त्रिभुवन दत्त, राजेश अकेला,कन्हई बौद्ध ,रामलखन? बौद्ध, सिद्धि नाथ,हरिनाथ बौद्धाचार्य,राम मिलन शर्मा,राम अभिलाष बौद्ध, रामचंद्र सरस, दयाराम बौद्ध, ओम प्रकाश, डॉ नन्हे लाल, आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का किया गया सजीव प्रसारण

- कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पंचायत अध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी सहित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने देखा सजीव प्रसारण

अमन लेखनी समाचार

अमेठी। राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ द्वारा लोकभवन सभागार लखनऊ से 155 करोड़ की लागत से 1359 आंगनबाड़ी केंद्रों का लोकार्पण/शिलान्यास, 50 करोड़ की लागत से 171 बाल विकास परियोजना कार्यालयों का शिलान्यास एवं 2.90 लाख आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को यूनिफॉर्म (साड़ी) हेतु डीबीटी के माध्यम से 29 करोड़ की धनराशि का अंतरण किया गया, जिसमें दो आंगनबाड़ी केंद्र मऊ अतवारा जगदीशपुर, कटियावां शाहगढ़ का लोकार्पण एवं 63 आंगनबाड़ी केंद्रों का शिलान्यास तथा 2490 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाएं जनपद अमेठी की सम्मिलित है। उक्त कार्यक्रम का कलेक्ट्रेट सभागार में सजीव प्रसारण किया गया। जिसे मा. जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि, मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, जिला कार्यक्रम अधिकारी संतोष श्रीवास्तव, समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी, समस्त मुख्य सेविकाएं एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने देखा एवं सुना। उक्त अवसर पर मा. जिला पंचायत अध्यक्ष ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारे रीति-रिवाज में मामा द्वारा अन्नप्राशन कराया जाता है यह जिम्मेदारी आज सरकार उठा रही है जिससे आमजन अपने को स्वस्थ, सुपोषित एवं सुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री अपनी योजना को आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से घर-घर पहुंच रही हैं सरकार के इस पुनीत कार्य का असर आने वाले समय में दिखाई पड़ेगा आंगनबाड़ी केंद्रों पर आने वाले बच्चे बड़े होकर देश, प्रदेश, गांव एवं समाज के विकास में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। इसके पश्चात उन्होंने बाल विकास विभाग द्वारा लगाई गई पोषण प्रदर्शनी एवं मोटे अनाज की रेसिपी का अवलोकन किया है। इस दौरान उन्होंने पांच गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं 6 माह की आयु पूर्ण कर चुके दो बच्चों का प्रथम बार अन्नप्राशन कराया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने पोषण रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा सही पोषण देश रोशन के नारे के साथ रैली निकाली गई।

प्राथमिक विद्यालय देवकली में तिलोई की संकुल बैठक सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

तिलोई, अमेठी, । उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत निपुण लक्ष्य की प्राप्ति हेतु महा निदेशक विजय किरण आनन्द के आदेशानुसार एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी के निदेर्शानुसार,व खण्ड शिक्षा अधिकारी - तिलोई,राम किशन कश्यप के कुशल संयोजन में प्रत्येक मास संकुल बैठक का आयोजन होता है। इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय देवकली,तिलोई-अमेठी में संकुल बैठक का आयोजन प्रधानाध्यापक धीरेन्द्र प्रताप सिंह,प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष,जनपद -अमेठी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ । बैठक का संचालन शशि कुमारी सिंह नोडल शिक्षिका ने किया।बैठक संयोजक प्रधानाध्यापक राम सिंह यादव ने सभी शिक्षकों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।बैठक में शोभा शरण ए आर पी (गणित) ने बैठक के एजेण्डा के अनुसार परियोजना संबंधी समस्त प्रकार की जानकारियों से शिक्षकों को अवगत कराया। बैठक में धीरेंद्र प्रताप सिंह ने अपने संबोधन में सभी शिक्षकों से अनुरोध किया कि जो कुछ भी यहां हम चर्चा- परिचर्चा में सीखते हैं और जो भी परियोजना के दिशा निर्देश हैं उनका अक्षरशः पालन करते हुए अपने-अपने विद्यालयों में नन्हे-मुन्ने बच्चों को गुणवत्ता परक शिक्षा प्रदान करने का पूर्ण प्रयास करें।बैठक में विजय कुमार सिंह, भारतेन्दु सिंह, अरविन्द श्रीवास्तव, अमृता जायसवाल, शशिकला, शालिनी सिंह,राहुल मित्रा, सरिता सिंह, आबिदा बानो,पल्लवी श्रीवास्तव,सुचित्रा सती,हंस राज, दिनेश कुमार, कृष्णा कुमारी, मीना सिंह, रामावती आदि उपस्थित रहे। प्रभारी प्रधानाध्यापक राम सिंह यादव ने सभी का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया।

जिया साहित्य परिवार द्वारा भारतीय त्योहारों को समर्पित काव्य गोष्ठी - 27 का शानदार आयोजन

बेंगलुरु । 17 सितम्बर को जिया साहित्य परिवार द्वारा भारतीय त्योहारों को समर्पित काव्य गोष्ठी - 27 का शानदार आयोजन किया गयो कार्यक्रम डॉ मंजु गुप्ता लता की अध्यक्षता में संपन्न हुओ मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल लक्ष्मीकांत देसाई , अति विशिष्ट अतिथि लेफ्टिनेंट वाई पी एन, विशिष्ट अतिथि सूबेदार अशोक कुमार मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रहीं सबसे पहले जिया साहित्य मंच की संस्थापिका रीता सिंह ने स्वागत उद्बोधन किया व सरस्वती वंदना से काव्य गोष्ठी का शुभारम्भ किया उसके बाद संचालिका जगदीश कौर ने कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ. मंजु गुप्ता लता का परिचय प्रस्तुत कियो मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल लक्ष्मीकांत देसाई व विशिष्ट अतिथि सूबेदार अशोक कुमार मिश्रा का परिचय रीता सिंह ने प्रस्तुत कियो अति विशिष्ट अतिथि लेफ्टिनेंट वाई पी एन का परिचय भूपेंद्र सिंह कटाक्ष ने प्रस्तुत किया अयोध्या से मनोरमा मिश्रा, रणजीत यादव, बैंगलोर से लेफ्टिनेंट किशोर सिंह राठौर, भूपेंद्र सिंह ₹कटाक्ष₹, उषा कंसल, रीता सिंह, टूंडला से प्रणव कुमार कुलश्रेष्ठ ,मथुरा से लालाराम बृजवासी, छत्तीसगढ़ से सुधा देवांगन ₹शुचि₹ कानपुर से निधि विश्वकर्मा, उज्जैन से उषा सोलंकी, गोण्डा से सुधीर श्रीवास्तव, नॉएडा से प्रवल प्रताप सिंह राणा सभी कवियों ने त्योहारों के शानदार रंगों से मंच को सुशोभित किया विशिष्ट अतिथि सूबेदार अशोक कुमार मिश्रा, अति विशिष्ट अतिथि - लेफ्टिनेंट वाई पी एन जी ने बहुत ही सुन्दर प्रस्तुति से मंच को गौरवान्वित कियो मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल लक्ष्मीकांत देसाई ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति व शानदार उद्बोधन से मंच को गौरव प्रदान कियो कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ मंजु गुप्ता लता ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति व सुन्दर काव्य प्रस्तुति से मंच को गौरवान्वित तो किया ही साथ ही अपने अध्यक्ष उद्बोधन में सभी कवियों का बहुत ही शानदार उत्साहवर्धन भी कियो जगदीश कौर ने बहुत उत्कृष्ट मंच संचालन किया और शानदार काव्य प्रस्तुति की रीता सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन कियो वन्देमातरम के साथ काव्य गोष्ठी का समापन हुआ

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट से मिले भाकियू कार्यकर्ता और पदाधिकारी

अमन लेखनी समाचार

हैदरगढ़ ,बाराबंकी। क्षेत्र के अमरवल किरसिया गांव में रविवार की मध्यरात्रि में कच्चा घर ढह जाने से एक गरीब परिवार के दो मासूम काल के गाल में समा गए तो वही दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका इलाज जारी है। उक्त हृदय विदारक घटना की जानकारी भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीयतावादी संगठन के पदाधिकारियों को हुई तो मंगलवार को सभी कार्यकर्ता मृतक के घर पहुंच गए और परिजनो से मुलाकात की। जिसके बाद सभी किसान तहसील हैदरगढ़ पहुंच गए और उपजिलाधिकारी को 9 सूत्रीय ज्ञापन देने के साथ मृतक परिजनों को आवास के अलावा अर्थिक सहायता दिलाए जाने की मांग किया। दिए गए ज्ञापन में किसान कार्यकताओं ने कहा है कि किरसिया गांव में जिम्मेदार पात्रों को आवास ना देकर अपात्रों को आवास का लाभ दिया गया है। यदि इसकी जांच सक्षम अधिकारी स्वंय जांच कर ले तो दूध का दूध और पानी का पानी अलग होने में देर नही लगेगी। किसानो ने आगे कहा कि गांव में इसके अतिरिक्त ऐसे कई पात्र परिवार है जो कालोनी आवास से अभी कोसो दूर है। किसानो ने बताया कि ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव से यदि ग्रामीण कालोनी आवास के बारे मे जानकारी लेता है तो उसे दोनो मिलकर कानून का पहाड़ा पढ़ा देते है, वही गांव के बड़े कास्तकारों व पक्के भवनो में रहने वालो को कालोनी आवास बडे ही आसानी से मुहैया करा दिया दिया जाता है उनके लिए कानून कोई मायने नही रहता। किसान पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी से कहा कि गांव में विकास खण्ड कार्यालय से ग्रामीणो की समस्या सुनने कोई नही आता और कभी कभार आ भी गए तो ग्राम प्रधान के दरवाजे जलपान कर वापस चले आते है।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक – श्रीमती अखिलेश सिंह
समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह
समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।
मो. - 9838159555, 9935457982
E-mail address amanlekhaninews @gmail.com

जब अवसर हो गणेश उत्सव का तो आस्था, भक्ति के साथ उल्लास और उमंग का भाव भी मन में हिलोरें मारने लगता है। खासतौर पर महिलाएं इस दौरान बड़े चाव से ट्रेडिशनल ड्रेसेस में सज-संवरकर पूजा पंडालों में दिखती हैं। कुछ सालों से इस दौरान महाराष्ट्रियन लुक कैरी करने का क्रेज बढ़ा है। इस लुक को कैरी कर आप भी स्पेशल नजर आ सकती हैं।

ट्रेडिशनल महाराष्ट्रियन लुक
आप दिखेंगी डिफरेंट-अट्रैक्टिव

फैशन / नीलोफर

इसमें कोई दो राय नहीं है कि दस दिनों तक चलने वाला गणेश उत्सव धार्मिक ही नहीं पारंपरिक-सांस्कृतिक पर्व भी है। इस दौरान भारी संख्या में पुरुष और महिलाएं सुबह-शाम गणपति पंडालों में धार्मिक भाव और आस्था से आते हैं। पूजा करते हैं, आरती में हिस्सा लेते हैं और विघ्नविनाशक भगवान गणेश की महिमा गाते हैं। इस सबके साथ ही गणेश उत्सव सजने-संवरने, लोगों के एक-दूसरे से मिलने-जुलने का अवसर भी होता है। इस दौरान पंडालों में विशेष रूप से यंग और मिड एज की महिलाएं नए-ट्रेडिशनल फैशन को कैरी करती दिखती है। वैसे तो महिलाएं अपनी पसंद और ट्रेडिशन के हिसाब से ड्रेसअप पहनती ही हैं, लेकिन खांटी महाराष्ट्रियन लुक बहुत पसंद किया जाता है। इसीलिए इन दिनों महाराष्ट्रियन फैशन की खूब बल्ले-बल्ले रहती है और महिलाएं मराठी ड्रेसेस और एसेसरीज कैरी करती हैं।

हर कहीं दिखता है जलवा

यह सच है कि महाराष्ट्रियन महिलाएं गणेश उत्सव के दौरान अपने पारंपरिक लुक में बहुत खूबसूरत नजर आती हैं। उनका यह लुक पूरे देश में अलग से पहचाना जाता है। यही वजह है कि चाहे गुवाहाटी हो या कोलकाता, लखनऊ हो या दिल्ली, रायपुर हो या भोपाल, अगर आप गणपति उत्सव के पंडालो में जाएं तो अनेक महिलाएं इसी लुक में दिखेंगी। ऐसे में आप भी इस उत्सव के रंग में रंगकर खुद को खांटी महाराष्ट्रियन लुक देना चाहेंगी। इसके लिए बहुत ज्यादा तैयारी भी नहीं करनी है, बस कुछ बातों को ध्यान में रखना होता है।

साड़ी बांधने की स्पेशल स्टाइल

महाराष्ट्रियन लुक में सबसे स्पेशल होती है, साड़ी बांधने की स्टाइल। ट्रेडिशनल ऑकेजन पर मराठी महिलाएं नौ गज की साड़ी पहनती हैं, जिसे मराठी में नऊवारी साड़ी कहते हैं। महाराष्ट्र के कई शहरों जैसे-कोल्हापुर, शोलापुर, नासिक, पुणे आदि में पैठनी साड़ी भी खूब पसंद की जाती है। यह कहना गलत नहीं होगा कि यह उनकी पहली पसंद होती है। पैठनी साड़ियां अपने नेचुरल ब्यूटी वाले वर्क के लिए फेमस होती हैं। खास बात यह है कि मराठी महिलाएं जब साड़ी पहनती हैं तो उसे कमर में कसकर बांधती हैं और सिर्फ बांधती ही नहीं बल्कि गांठ भी लगाती हैं। कुछ महिलाएं तो पैरों के बीच से निकालकर कमर में कांछ भी लगाती हैं। आमतौर पर उत्तर भारत में पुरुष इस तरह से मर्दानी धोती पहनते हैं। साड़ी बांधने की इस स्पेशल स्टाइल में महाराष्ट्रियन महिलाओं का लुक बहुत डिफरेंट नजर आता है।

एसेसरीज से मिलता है कंप्लीट लुक

कंप्लीट-ट्रेडिशनल महाराष्ट्रियन लुक पाने के लिए साड़ी को स्पेशल ढंग से बांधने के साथ ही ज्वेलरी की भी बड़ी भूमिका होती है। गणेशोत्सव जैसे पारंपरिक त्योहारों पर मराठी महिलाएं अपनी नाक में नथ जरूर पहनती हैं। अगर गणेश उत्सव के दौरान आप महाराष्ट्र में गणपति पंडालों में जाकर देखें तो शायद ही कोई सजी-धजी महिला ऐसी मिले, जिसने नथ न पहन रखी हो। मराठी महिलाएं नथ के साथ-साथ कान में ट्रेडिशनल ज्वेलरी भी पहनती हैं। इसके साथ मोतियों वाले झुमके पहनना भी वे खूब पसंद करती हैं। लेकिन जो ज्वेलरी महाराष्ट्रियन महिलाओं को अन्य प्रदेश की महिलाओं के ड्रेसअप से अलग दिखाती है, वो होता है बाजूबंद। इस बाजूबंद से उनका लुक पूरी तरह बदल जाता है। इसके अलावा बालों में गजरा और मोटा जूड़ा तो महाराष्ट्रियन ट्रेडिशनल वूमेन लुक की जान है। उसके बिना तो महाराष्ट्रियन लुक कंप्लीट ही नहीं होता है। इन सबके अलावा माथे पर अर्धचंद्रमा वाली बिंदिया लगाकर महाराष्ट्रियन ट्रेडिशनल लुक कंप्लीट हो जाता है। कुल मिलाकर देखें तो महाराष्ट्रियन महिलाएं जब पारंपरिक रूप से ड्रेसअप होती हैं तो उनका लुक कुछ शाही सा नजर आता है। यहां बताई गई बातें फॉलो करके आप भी गणेशोत्सव में प्योर महाराष्ट्रियन लुक पा सकती हैं। *

फिल्मों ने बढ़ाया क्रेज

महाराष्ट्रियन लुक के लिए अधिकतर उन ड्रेसेस पर जोर रहता है, जो हाल की मराठी फिल्मों में खासतौर पर पहने गए होते हैं। कई हिंदी फिल्मों में भी मराठी लुक खूब पसंद किया गया है। जैसे 'बाजीराव मस्तानी' में प्रियंका चोपड़ा का स्टाइलिश लुक आज भी लड़कियां कैरी करती हैं तो माधुरी दीक्षित तो मराठी मुलगियों की ऑल टाइम फैशन आइकन हैं ही। शिल्पा शेट्टी और कंगना रनोट भी अपनी कुछ फिल्मों में पहनी गई खास मराठी स्टाइल की ड्रेसेस के कारण खूब पसंद की जाती रही हैं। *

रेसिपी
शिल्पी गोयल

गणपति को भोग लगाएं
स्वादिष्ट-पौष्टिक लड्डू

आज गणेश चतुर्थी है। अगले दस दिन आप गणपति को उनके प्रिय लड्डू का भोग जरूर अर्पित करेंगी। बाजार से खरीदने के बजाय आप घर पर ही स्वादिष्ट-पौष्टिक लड्डू बना सकती हैं। हम आपको बता रहे हैं कुछ लड्डुओं की रेसिपी।

बेसन के लड्डू

सामग्री- बेसनः 100 ग्राम, घीः 80 ग्राम, चीनी या गुड़ः 80 ग्राम, पानीः आवश्यकतानुसार

विधि- सबसे पहले पैन को हल्का गर्म कर लें। अब पैन में घी डालें। फिर उसमें बेसन डालें और लाइट ब्राउन होने तक भूनें। अब इसमें थोड़ा सा पानी डालकर मिक्स करें और कुछ देर पकने दें। 5 मिनट बाद गैस बंद करके तैयार किए गए बैटर को एक बर्तन में निकालकर ठंडा होने दें। अब इसमें चीनी या पिसा गुड़ डालकर मिक्स कर लें। अब इससे मोदक जैसे या मन चाहे आकार के लड्डू बना लें। *

रागी चॉकलेट लड्डू

सामग्री- रागी का आटाः 100 ग्राम, मूंगफली के दानेः 100 ग्राम, खजूर या गुड़ः 100 ग्राम, कोको पावडरः 20 ग्राम, घीः 30 ग्राम

विधि- सबसे पहले एक पैन में मूंगफली को रोस्ट करके अलग रख दें। अब पैन में घी को गर्म कर उसमें रागी का आटा डालकर अच्छे से भून लें और किसी बर्तन में निकाल लें। इसके बाद रोस्ट की हुई मूंगफली को मिक्सर में डालकर पीस लें, फिर उसी में खजूर या गुड़ और कोको पावडर डालकर अच्छे से पीस लें। अब इसमें ऊपर से भुना रागी का आटा डालें। फिर सभी को एक बर्तन में निकालकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब इनसे मोदक के आकार वाले या गोल लड्डू बना लें। *

कीटो वेगन लड्डू

सामग्री- बादाम का बुरादाः 100 ग्राम, कद्दू के बीज का बुरादाः 50 ग्राम, अलसी का बुरादाः 30 ग्राम, किसा हुआ नारियलः 100 ग्राम, कीटो चीनीः स्वादानुसार, घी और पानीः आवश्यकतानुसार

विधि- सबसे पहले एक पैन में घी डालकर हल्का गर्म कर लें। अब उसमें बादाम, कद्दू के बीज, अलसी और नारियल का सूखा बुरादा डालकर भून लें। फिर एक कटोरी में पानी में कीटो चीनी डालकर घोल बना लें। इसे पैन में डालकर चलाती रहें। इसका एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे एक बर्तन में निकालकर ठंडा कर लें, फिर इनके मनचाहे आकार के लड्डू बना लें। *

(लेखिका आईडीए छत्तीसगढ़ चैप्टर की प्रेसिडेंट हैं)

आज से शुरू हो रहे गणेश उत्सव के दौरान आप भी पूजा पंडालों में जरूर जाएंगी। ऐसे में आप जरूर चाहेंगी कि आपका मेकअप लुक अट्रैक्टिव नजर आए। इसीलिए हम आपको यहां परफेक्ट मेकअप मैथड डिटेल में बता रहे हैं।

फेस्टिव सीजन में पाएं
खिली-निखरी खूबसूरती

मेकअप / निधि गोयल

गणेश उत्सव के दौरान महिलाओं में संजने-संवरने का भी काफी क्रेज होता है। इस दौरान अपनी पसंद के अनुसार साड़ी, सूट या लहंगा जो भी आप कैरी करें, उसे परफेक्ट मेकअप से और अट्रैक्टिव बना सकती हैं। अगर आप यहां बताए जा रहे टिप्स को फॉलो करें तो इस फेस्टिव सीजन में प्यारी और अट्रैक्टिव नजर आएंगी।

फेस क्लींजिंग : मेकअप शुरू करने से पहले अपने फेस को अच्छी तरह साफ कर लें। अगर आपकी स्किन ऑयली है तो अपने फेस को ठंडे पानी से धोएं। इससे मेकअप करते समय आपका फेस ऑयली नजर नहीं आएगा। लेकिन अगर आपकी स्किन ड्राई है तो अपने फेस को सादे पानी से ही धोएं।

मॉयश्चराइजिंग : आपकी स्किन चाहे ऑयली हो या ड्राई लेकिन मेकअप से पहले अपने फेस पर मॉयश्चराइजर जरूर लगाएं। सही तरीके से मॉयश्चराइजिंग करने से फेस पर मेकअप इफेक्टिव और काफी ग्लोइंग नजर आता है। इसलिए अपने फेस को मॉयश्चराइज करना न भूलें।

आईशैडो : फेस के बाद आई मेकअप करते समय ध्यान रखें कि आंखें ही हमारे फेस को अट्रैक्टिव बनाती हैं। इसलिए आईशैडोज में आप कुछ डार्क शेड्स ट्राई कर सकती हैं। जैसे-ग्रीन, रेड या पिंक। इस तरह के आईशैडो कलर फेस्टिवल पर बहुत सुंदर नजर आते हैं।

प्राइमर : आपने देखा होगा कि कुछ महिलाओं का मेकअप कुछ देर बाद क्रैक्ड नजर आने लगता है। इससे बचने के लिए प्राइमर का इस्तेमाल जरूर करें, क्योंकि यह आपकी स्किन को स्मूद बनाकर एक प्लेन लुक देता है। इसे अप्लाई करने के लिए प्राइमर को अपनी अंगुलियों की टिप्स पर लेकर पूरे चेहरे पर लगाएं और उसे अच्छी तरह ब्लेंड कर लें।

फाउंडेशन : फाउंडेशन लगाते समय इस बात का जरूर ध्यान रखें कि आप मेकअप किस ऑकेजन के लिए कर रही हैं। चूंकि आप फेस्टिवल के लिए मेकअप कर रही हैं तो स्किन टोन के अकॉर्डिंग फाउंडेशन की लाइट लेयर का इस्तेमाल करें। फाउंडेशन को चेहरे, गर्दन पर लगाएं और मेकअप ब्लेंडर की मदद से उसे अच्छे से ब्लेंड करें।

कंसीलर : फाउंडेशन के बाद अगले स्टेप में कंसीलर अप्लाई करें। यह आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स या फिर दाग-धब्बों को छिपाने में मदद करता है। आप इसे ब्रश की सहायता से आंखों के नीचे या दाग-धब्बों वाली जगह पर लगा सकती हैं, फिर अंगुलियों की मदद से फेस पर ब्लेंड करें।

ब्लशर : मेकअप को और अट्रैक्टिव बनाने के लिए ब्लशर जरूर लगाएं। इससे आपका मेकअप दमक उठेगा। ब्लशर हमेशा गालों पर नीचे से ऊपर की तरफ अप्लाई करना चाहिए। लेकिन बहुत ज्यादा ब्लश न लगाएं, इससे मेकअप ओवर दिख सकता है।

आईलाइनर: आंखों पर जब तक आईलाइनर नहीं लगाएं, तब तक आंखें सूनी नजर आती हैं। इसलिए आईशैडो के साथ आंखों पर आईलाइनर भी जरूर लगाएं। अगर आपका मन आईशैडो लगाने का न हो, तो भी आप कलर्ड आईलाइनर लगा सकती हैं। ये भी आईशैडो जैसा ही लुक देते हैं।

लिपस्टिक : आंखों के बाद लिप्स मेकअप की बारी आती है। लिपस्टिक में आजकल ग्लॉसी लिपस्टिक काफी इन है, तो आप ड्रेस के अकॉर्डिंग ग्लॉसी लिपस्टिक अप्लाई करें। लिपस्टिक के कलर के हिसाब से लिपलाइनर से होंठों को हाईलाइट करें। इस तरह आपका मेकअप कंप्लीट हो जाएगा। *

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

स्किन केयर टिप्स

आपकी स्किन पर मेकअप तभी फबता है, जब स्किन हेल्दी और ग्लोइंग हो। इसके लिए आप कुछ बातों को फॉलो कर सकती हैं।

- रात को सोने से पहले और कहीं बाहर से आने के बाद चेहरे को अच्छे से साफ करें। इससे चेहरे पर मौजूद धूल, मिट्टी हट जाती है।
- घर से बाहर निकलते समय सनस्क्रीन जरूर लगाएं। यह आपको सन टैनिंग से बचाता है।
- हमेशा ऐसे प्रोडक्ट्स का ही स्किन पर इस्तेमाल करना चाहिए, जो आपकी स्किन पर सूट करता हो। इसलिए अपनी स्किन नेचर को जरूर जान लें।
- अगर कोई एलर्जी न हो तो एलोवेरा जैल को अप्लाई करते रहें। ये स्किन पर दाग-धब्बों को हटाकर सॉफ्ट बनाता है।
- 15 दिन में एक बार फेस मसाज जरूर करवाएं। इससे फेस स्किन का ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है और स्किन में निखार आता है। *

लघुकथा / शीला श्रीवास्तव

राहुल की विश

नीता एक कप चाय देना।' पति दीपेश ने पत्नी को आवाज लगाई। नीता भुनभुनाते हुए किचन से चाय का कप लेकर बाहर आई।

'क्या हुआ.. मूड क्यों खराब है?' दीपेश ने पूछा।

'जब से आपके बाबूजी गांव से आए हैं, मेरा तो जीना मुहाल हो गया है। अधिकतर समय किचन में ही बीतता है।' नीता चिढ़कर बोली।

'जरा धीरे बोलो नीता... अगर बाबूजी ने सुन लिया तो क्या सोचेंगे? फिर यह भी तो देखो, जब से पिताजी आए हैं, अपना बेटा राहुल कितना खुश रहने लगा है। उनके साथ रहकर वह अच्छी बातें सीख रहा है, संस्कारवान हो रहा है।' दीपेश ने धीमी आवाज में पत्नी को समझाने की कोशिश की।

'जो भी हो... पर अब मुझसे आपके बाबूजी की सेवा नहीं होगी। कोई जुगत लगाइए, वे जल्दी गांव चले जाएं।' नीता नाक-भौं सिकोड़ते हुए बोली।

तभी एकाएक बाबूजी सामने आ गए। चेहरे पर उदासी साफ झलक रही थी, बोले, 'बेटा, मेरी टिकट करवा दो, गांव जाना है। गांव में कुछ जरूरी काम आ पड़ा है।' दरअसल, बाऊजी ने दोनों पति-पत्नी के बीच हुई बातें सुन ली थीं।

बाबूजी की बात सुनकर दीपेश ने राहत की सांस ली। मन ही मन सोचा, 'बिना कोई जुगत लगाए ही बात बन गई।' सब कुछ सुन देख रहा दीपेश-नीता का आठ वर्षीय बेटा राहुल बीच में ही बोला, 'नहीं दादा जी! आप गांव मत जाइए। अगर आप चले जाएंगे तो मेरा मन कैसे लगेगा? मुझे रात में अच्छी-अच्छी कहानियां कौन सुनाएगा?'

बात को बिगड़ते देख दीपेश झट से बोल पड़ा, 'नहीं बेटा! जिद नहीं करते। बाबूजी को जरूरी काम आ गया है, वो रुक नहीं सकते।'

'हां बेटा! मैं बाद में आऊंगा।' बाऊजी स्नेह से अपने पोते के सिर पर हाथ फेरते हुए बोले।

दीपेश ने दो दिन बाद की बाबूजी की टिकट बनवा दी।

आज वह दिन भी आ गया। दीपेश बाबूजी को रेलवे स्टेशन छोड़ने गया। इधर राहुल घर में मुंह फुलाए बैठा था, 'दादाजी क्यों गांव चले गए?'

'अरे बेटा, उदास क्यों होते हो? आज तो गणेश चतुर्थी है, हम गणपति बप्पा को घर लाए हैं। तुम्हारे पापा और दादाजी सुबह गणपति की पूजा करके गए हैं। तुम सो रहे थे, तुम भी नहा-धोकर पूजा कर लो। तुमको गणपति से जो भी विश मांगनी हो, मांग लेना। वे सबकी विश पूरी करते हैं।' नीता ने बेटे को बहलाया।

'सच मम्मी..!' कुछ सोचकर राहुल खुशकर बोला।

राहुल ने खुशी-खुशी गणपति की पूजा-अर्चना की, प्रसाद ग्रहण करके टीवी देखने बैठ गया। कुछ ही देर बाद डोर बेल बजी। नीता ने जाकर दरवाजा खोला। उसने देखा, दीपेश और बाबूजी सामने खड़े हैं।

दीपेश ने बताया, 'बाबूजी की ट्रेन छूट गई, इसलिए बाबूजी लौट आए।' यह सुनते ही नीता का चेहरा उतर गया, जबकि राहुल खुशी से उछल पड़ा, 'वाह मम्मी! आपने सही कहा था। देखो न गणपति बप्पा ने मेरी विश कितनी जल्दी पूरी कर दी। दादाजी वापस आ गए।'

नीता और दीपेश एक-दूसरे का चेहरा देखते रह गए। राहुल चहकते हुए अपने दादाजी को लेकर घर के भीतर चला गया। *

नई संसद से नए भविष्य का आगाज, नारी शक्ति वंदन विधेयक लोकसभा में पेश

भारतीय लोकतंत्र के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा है। आज संसद की कार्यवाही पुराने भवन से नए भवन में स्थानांतरित हुई है। सोमवार को पुराने भवन में आखिरी दिन की कार्यवाही थी जिसमें उसके इतिहास पर चर्चा की गई थी। आज के दिन की शुरूआत नए संसद भवन में स्थानांतरित होने से कुछ घंटे पहले सामूहिक तस्वीर खिंचवाने के साथ हुई जिसमें राज्यसभा और लोकसभा के सदस्य पुराने संसद भवन के भीतरी प्रांगण में एकत्रित हुए। इसके बाद सेंट्रल हॉल में एक कार्यक्रम हुआ जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला, संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता सदन पीयूष गोयल ने संबोधित किया।